दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 3 । अंक: 253 जयपुर, गुरुवार, 22 अगस्त, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-तृतीया, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

बिहार में ट्रेनें रोकी, कई राज्यों में शांतिपूर्ण बंद
विभिन्न विपक्षी दलों ने किया बंद का समर्थन

असरदार भारत बंद

एससी आरक्षण में कोटा देने का विरोध

- भरतपुर संभाग के 4 जिलों में रहा इंटरनेट बंद
- राजधानी में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात

प्रदेश में नहीं खुले बाजार, सड़कों पर रैली, 16 जिलों में स्कूलों की छुट्टी, जयपुर में शांतिपूर्ण रहा बंद

बेधड़क | नई दिल्ली/ जयपुर

सुप्रीम कोर्ट के एससी आरक्षण में कोटा लागू करने की इजाजत देने के खिलाफ बुधवार को दलित-आदिवासी संगठनों ने 14 घंटे का भारत बंद रखा। बिहार को छोड़ शेष राज्यों में बंद शांतिपूर्ण रहा। पटना में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, वहीं इसके अलावा आरा और दरभंगा में ट्रेनें रोकी गई।

यहां प्रदर्शनकारियों ने जहानाबाद, सहरसा और पूर्णिया में हाईवे जाम कर दिया, जिससे खासी परेशानी हुई। इसके अलावा राजस्थान, एमपी व यूपी में भी बंद का व्यापक असर दिखा। बंद की घोषणा के चलते राजस्थान में 16 जिलों में स्कूल बंद रहे। प्रदर्शन को देखते हुए भरतपुर संभाग के 4 जिलों (भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर और डीग-कुम्हेर) में नेटबंदी की गई। राजधानी जयपुर में भी बंद का खासा असर देखने को मिला। वहीं, सीकर, अलवर, भरतपुर, टोंक, अजमेर, सवाईमाधोपुर सहित 20 जिलों में बंद शांतिपूर्ण रहा।

प्रदेश में बाजार बंद रहे, प्रदर्शकारियों ने निकाली रैली

प्रदेश में कांग्रेस, बसपा समेत कई पार्टियां बंद का समर्थन किया। जयपुर में भारत बंद का खासा असर देखने को मिला। शहर में बाजार बंद नजर आए। बस और टैक्सी सेवा भी बंद के दौरान बाधित रही। लो-फ्लोर और रोडवेज बसों का संचालन भी बंद रहा। जेसीटीएसएल की ओर से लो-फ्लोर बसों को नजदीकी थानों में खड़ी करने एवं आगार के पास वाली गाड़ियों को डिपो बुलाया गया। सिंधी कैंप बस स्टैंड से राजस्थान रोडवेज का संचालन सुबह 5 बजे से बंद रहा। ऐसे में जो यात्री यहां यात्रा करने के लिए पहुंचे, वे बसों का संचालन शुरू होने का इंतजार करते रहे। इस दौरान शहर में अलग-अलग जगह रैपिड एक्शन फोर्स को भी तैनात किया गया।

स्कूल-कॉलेज बंद : अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात

जयपुर, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, डीग, जैसलमेर और भरतपुर में स्कूल-कॉलेजों के साथ समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में छुट्टी की घोषणा कर दी गई थी, जिससे बुधवार को स्कूल-कॉलेज और कोचिंग संस्थान बंद रहे। कोटा में यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई। राजधानी जयपुर में बंद को लेकर 25 टीमें बनाई गई। इन टीमों ने अपने-अपने इलाके में टोलियों में रैली निकाली और बाजार बंद करवाए। बंद के समर्थन में बड़ी रैली रामनिवास बाग से शुरू हुई, जो चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, एमआई रोड होते हुए रामनिवास बाग में पहुंचकर खत्म हुई। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के अनुसार जयपुर में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया था। शहर के सभी चौराहे और जुलूस वाले रास्तों पर पुलिस विशेष निगरानी रखी गई।

बंद समर्थकों की 25 टोलियों ने कराए बाजार बंद

जयपुर में बंद समर्थकों की 25 टीमें बनाई गई। इन टीमों अपने-अपने इलाके में टोलियों में रैली निकाली और बाजारों को बंद करवाया। बंद के समर्थन में बड़ी रैली रामनिवास बाग से शुरू हुई, जो चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, एमआई रोड होते हुए रामनिवास बाग में आकर खत्म हुई।

कई जिलों में दिखा बंद का असर

झुंझुनूं : जिले में मिला-जुला असर देखने को मिला। सुबह से ही दुकानें बंद रहीं। गली चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद नजर आई।

सीकर: सीकर में शांतिपूर्ण बंद रहा। बंद के चलते दोपहर 2 बजे तक सीकर की जाट बाजार, तबेला बाजार, घंटाघर और तापड़िया बगीची सहित कई बाजार बंद रहे। बंद के तहत विभिन्न संगठनों ने रैली निकाली। वहीं प्राइवेट और सरकारी स्कूल बंद रहे। इमरजेंसी सेवाएं, हॉस्पिटल और पेट्रोल-पंप खुले रहे।

अलवर: शहर सहित जिले भर में भारत बंद का असर देखने को मिला। मीणा समाज के लोग रूपबास स्थित जगन्नाथ मंदिर पर हाथों में झंडे लेकर एकत्रित हुए और नारेबाजी की।

अजमेर: अजमेर में भी बंद का व्यापक असर दिखा। शहर के अधिकांश बाजारों में दुकानें, थड़ियां और प्रतिष्ठानों के ताले नहीं खुले। रोजाना चहल-पहल वाले बाजारों-गलियों में सन्नाटा पसरा रहा। शहर में पुलिस अलर्ट मोड पर रही। जगह-जगह पुलिसकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी पेट्रोलिंग करते नजर आए।

सवाई माधोपुर: जिले में प्रदर्शनकारी डीजे के साथ रैली निकाली गई। पुलिस ने पूरी स्थिति पर नजर बनाए रखी।

-पेज 3 भी देखें

जरूरी खबर

जयपुर में बरसे बादल, पांच संभागों में बारिश का अलर्ट

जयपुर। प्रदेश में एक सप्ताह के लिए फिर से मानसून सक्रिय हो गया है। इस दौरान आगामी सप्ताह भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी बांग्लादेश व आसपास के क्षेत्र के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इससे मानसून ट्रफ लाइन श्रीगंगानगर, रोहतक से होकर गुजर रही है। इसके प्रभाव से प्रदेश के अनेक भागों में आगामी एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने की संभावना है। इसी प्रकार कोटा व उदयपुर व जयपुर संभाग के जिलों में आगामी 5 और 6 दिन कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा दक्षिणी व पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में भारी बारिश की गतिविधियों में 25- 26 अगस्त के दौरान बढ़ोतरी होने और कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने ने की संभावना जताई गई है। उधर, चित्तौड़गढ़ में सवा इंच से ज्यादा बारिश दर्ज हुई।

5 आईएफएस के तबादले, कटियार को लगाया सरिस्का

जयपुर। प्रदेश में 5 आईएफएस के तबादले किए गए है। जिसको लेकर कार्मिक विभाग ने आदेश जारी किए है। इनमें संग्राम सिंह कटियार क्षेत्र निदेशक सरिस्का, मोनाली सेन उप वन संरक्षक जेडीए, महेंद्र कुमार शर्मा कार्य आयोजना अधिकारी जयपुर, अभिमन्यु सहारण उप क्षेत्र निदेशक सरिस्का और मुथु एस को उप वन संरक्षक मुकुंदरा भेजा है।

फाइटर विमान से एयर स्टोर रिलीज होकर गिरा

पोकरण फायरिंग रेंज इलाके के पास आसमान से गिरी एक संदिग्ध वस्तु, जमीन पर गहरा गड्ढा

बेधड़क | जयपुर/पोकरण

प्रदेश के पोकरण फायरिंग रेंज इलाके के पास आसमान से एक संदिग्ध वस्तु गिरने से जमीन पर गहरा गड्ढा बन गया। इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) ने संदिग्ध वस्तु को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया। इस सूचना के बाद आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया।

कुछ ही समय बाद मौके पर पुलिस पहुंची। जिस क्षेत्र में संदिग्ध वस्तु गिरी थी, उसका निरीक्षण किया गया और तस्वीरें ली गईं। पुलिस व एजेंसियां इसकी गहनता से जांच कर रही थी। उसी दौरान इसकी सूचना इंडियन एयर फोर्स अधिकारियों को दी गई। कुछ ही समय बाद इंडियन एयर फोर्स ने संदिग्ध वस्तु को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया।

लड़ाकू विमान से गिरा था एयर स्टोर

संदिग्ध वस्तु को लेकर आईएएफ ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए जानकारी दी। उन्होंने लिखा, "तकनीकी खराबी के कारण आज पोकरण फायरिंग रेंज क्षेत्र के पास भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान का एक एयर स्टोर अनजाने में रिलीज हो गया। घटना की जांच के लिए भारतीय वायुसेना द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है।" आसमान से तेज धमाके के साथ वस्तु गिरने की घटना रामदेवरा के पास राठौडा से दो किमी दूर हुई। तेज धमाके और धूल व धुएं के गुबार से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों की सूचना पर रामदेवरा पुलिस जाब्ता सहित मौके पर पहुंची।

भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी बिट्टू का नामांकन दाखिल

सीएम शर्मा सहित 40 विधायक बने प्रस्तावक और अनुमोदक

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव के लिए बीजेपी प्रत्याशी व केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया। बीजेपी के केन्द्रीय नेतृत्व ने मंगलवार को ही बिट्टू को राजस्थान से राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किया था। इससे पूर्व सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा प्रस्तावक बने। रवनीत सिंह बिट्टू ने नामांकन के लिए चार सेट किए दाखिल। वहीं, निर्दलीय सहित 40 विधायक प्रस्तावक और अनुमोदक बने। कांग्रेस इन चुनावों में अपना प्रत्याशी नहीं उतार रही है। ऐसे में बिट्टू की निर्विरोध जीत तय मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि बिट्टू लोकसभा चुनावों में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। बिट्टू पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं। बिट्टू मोदी सरकार में रेल राज्य मंत्री हैं। बिट्टू ने कहा कि राजस्थान का यह कर्ज मेरे ऊपर रहेगा। मैं राजस्थान और पंजाब की पगड़ी पर कभी कोई दाग नहीं लगने दूंगा।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुआ स्वागत

भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को नामांकन भरने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। बिट्टू का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, मुकेश दाधीच, सरदार अजयपाल सिंह, नोहर सिंह जोधा, मोतीलाल मीणा, भाजपा महामंत्री दामोदर अग्रवाल, श्रवण सिंह बगडी, जितेंद्र गोठवाल ने रवनीत सिंह बिट्टू को शुभकामनाएं दी।

इसलिए फॉर्म भरता है डमी प्रत्याशी

राज्यसभा उपचुनाव में एहतियात के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने एक डमी कैंडिडेट भी खड़ा किया है। डमी कैंडिडेट के तौर पर पार्टी के नेता सुनील कोठारी ने बुधवार को अपना नामांकन भरा। कोठारी पार्टी में जयपुर शहर जिलाध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष सहित कई पदों पर रह चुके हैं। बीजेपी विधायक ही उनके प्रस्तावक और अनुमोदक बने हैं। प्रमुख उम्मीदवार के नामांकन खारिज होने अथवा नामांकन वापस लेने की स्थिति में डमी कैंडिडेट ही पार्टी का ऑफिशियल प्रत्याशी माना जाता है।

विधानसभा में सीएम ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिट्टू को नामांकन पत्र दाखिल करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इससे पहले शर्मा ने हां पक्ष लॉबी में आयोजित बैठक में विधायकों को संबोधित भी किया।

आंध्रप्रदेश की फार्मा फैक्ट्री में आग से 17 की मौत: 41 झुलसे

बेधड़क | हैदराबाद

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले की एक फार्मा फैक्ट्री में आग लगने से बुधवार को 17 लोगों की मौत हो गई। 41 से ज्यादा लोग झुलसे हैं। फिलहाल आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के बाद धमाका सुना गया। धमाका इतना तेज था कि इमारत की पहली मंजिल की स्लैब ढह गई। जानकारी के अनुसार घटना अच्युतापुरम सेज की फार्मा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट की है। घायलों को इलाज के लिए एनटीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब धमाका हुआ तब लंच टाइम चल रहा था और ज्यादातर वर्कर्स बाहर थे।

फैक्ट्री में 2 शिफ्ट में काम होता है

जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में 381 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। हादसा बुधवार दोपहर 2 बजकर 10 मिनट पर हुआ। लंच टाइम होने की वजह से ज्यादातर कर्मचारी बाहर थे। कलेक्टर विजयन कृष्णन ने बताया कि 13 लोगों को रेस्क्यू किया गया।

पिछले माह भी हुई थी घटना

पिछले महीने ही आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में एक केमिकल फैक्ट्री में रिएक्टर विस्फोट के बाद एक कर्मचारी की मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हो गए थे। यह घटना वसंत केमिकल्स में हुई थी जो फार्मास्युटिकल उद्योग में बिचौलियों के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले विशेष रसायनों का निर्माण करती है। यह फैक्ट्री रामबिल्ली ब्लॉक के अच्युतापुरम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में भी स्थित है।

हड़ताल वापसी

रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल खत्म... OPD, वार्ड में नहीं करेंगे काम

- चिकित्सा मंत्री के साथ बैठक में ज्यादातर मांगों पर बनी सहमति
- जार्ड ने लिया आंशिक रूप से हड़ताल वापसी का निर्णय
- इमरजेंसी और आईसीयू सेवाएं हुई बहाल

बेधड़क | जयपुर

शासन सचिवालय में बुधवार को प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के साथ रेजिडेंट्स की बैठक के बाद रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड) ने आंशिक तौर पर हड़ताल वापसी का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार सरकार ने रेजिडेंट्स की ज्यादातर मांगों पर सहमति जताई है। इसके बाद एसएमएस मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल खत्म हो गई है। खींवसर ने रेजिडेंट्स को आश्वस्त किया कि सुरक्षा के मद्देनजर 30 बॉडीगार्डस लगाए जाएंगे।

जनरल ओपीडी, रूटीन सेवाएं सस्पेंड रहेंगी

जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड) के अध्यक्ष डॉक्टर मनोहर सियोल के अनुसार राज्य में जनहित को ध्यान में रखते हुए अपनी हड़ताल को आंशिक तौर पर वापस लेने का निर्णय किया है। संगठन ने अब एसएमएस मेडिकल कॉलेज और उससे अटैच हॉस्पिटलों में इमरजेंसी सर्विस, आईसीयू, इमरजेंसी ओटी, लेबर रूम में अपनी सर्विस को बहाल किया है। हालांकि, जनरल ओपीडी, वार्ड सेवाओं और रूटीन ओटी सेवाओं में अपनी सर्विस को अभी सस्पेंड रखा जाएगा। डॉक्टर सियोल ने बताया कि ये सेवाएं नेशनल लेवल पर हमारे संगठन की ओर से कोई निर्णय लिए जाने के बाद ही बहाल की जाएगी। बता दें कि इस बैठक में हेल्थ डिपार्टमेंट की एसीएस शुभ्रा सिंह और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी भी मौजूद रहे।

यह दिया गया आश्वासन

इस अवसर पर खींवसर ने कहा कि राजस्थान ऐसा पहला राज्य होगा, जहां डॉक्टरों के लिए ये व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए कॉलेज स्तर पर कमेटी बनाए जाने, मेंटल हेल्थ सेल और कार्य बहिष्कार अवधि को डे ऑफ या राजकीय अवकाश में समायोजित किए जाने समेत कई मुद्दों पर सहमति बनी। हालांकि जनरल ओपीडी, वार्ड सेवाएं और रूटीन ओटी सेवाएं अब भी सस्पेंड रखी जाएंगी। इससे पूर्व बुधवार को जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड) ने सचिवालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर से मुलाकात की। इस दौरान ज्यादातर मांगों पर सहमति बन गई।

जरूरी खबर

राज्यपाल बागडे से महाराष्ट्र के मंत्री ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके निवास स्थान पर महाराष्ट्र के डेयरी विकास, पशुपालन और राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मुलाकात की। राज्यपाल से उन्होंने राष्ट्र और राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सहकारिता विभाग की शासन सचिव ने किया पौधरोपण

जयपुर। शासन सचिव, सहकारिता शुचि त्यागी ने 'एक पेड़ मां के नाम' राष्टीय अभियान के तहत बुधवार को टोंक रोड स्थित राजस्थान राज्य सहकारी बैंक परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि पृथ्वी मां को सुरक्षित रखने के लिए सभी एक पौधा अपनी मां के नाम से अवश्य लगाएं। पौधे अपनों के प्रति प्रेम और मां के लिए आदर के प्रतीक हैं। शासन सचिव ने आह्वान किया कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए चलाये जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में सभी को बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हम जो पौधा लगायें उसकी कम से कम एक वर्ष तक सुरक्षा करें ताकि पौधा स्वयं पोषित होकर प्रकृति में स्वच्छ वायु का संचार कर सके।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया पहुंचे देवराज के घर

जयपुर। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया जन प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बुधवार को खेरादीवाड़ा में मृतक छात्र स्व. देवराज मोची के घर पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और राज्य सरकार की ओर से 9 लाख 12 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराई। राज्यपाल कटारिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, कलक्टर अरविंद पोसवाल, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल आदि खेरादीवाड़ा में स्व. देवराज के घर पहुंचे। वहां उन्होंने देवराज की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। छात्र के पिता पप्पूलाल मोची, माता निमादेवी और बहन सुश्री सुहानी सहित अन्य परिजनों को ढाढ़स बंधाया।

विद्युत भवन में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

रबी सीजन में किसानों को मिले पर्याप्त बिजली: ऊर्जा मंत्री

बेधड़क | जयपुर

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष-2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने की दिशा में संकल्पित भाव से काम कर रही है।

उन्होंने अधिकारियों को आगामी रबी सीजन में बिजली की संभावित मांग का आकलन कर पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नागर बुधवार को विद्युत भवन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए भारतीय किसान संघ के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बिजली आपूर्ति से संबंधित विषयों पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र के अनावंटित पूल से प्रदेश को मिल रहे 1 हजार मेगावाट बिजली के आवंटन को आगामी रबी सीजन में भी जारी रखने के लिए उच्च स्तर पर आग्रह किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए पूरी तरह समर्पित है। संकल्प पत्र में कृषि कार्य के लिए किसानों को प्रतिदिन 8 घंटे निरंतर बिजली की आपूर्ति करने के वादे को पूरा करने के दृष्टिगत दूरगामी सोच के साथ निर्णय किए जा रहे हैं।

मात्र साढ़े सात माह की अल्पावधि में ही पीएम कुसुम सी योजना में 4 हजार 500 मेगावाट क्षमता के एलओआई जारी किए गए हैं। इसका लाभ 3 लाख से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को होगा। साथ ही, आरडीएसएस में केंद्र सरकार ने प्रदेश के लिए करीब 7 हजार 896 करोड़ रुपए की योजना मंजूर की है। इसके माध्यम से फीडर सेग्रीगेशन के काम को गति दी जाएगी।

नए ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण के निर्देश

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने रबी सीजन के दृष्टिगत अधिकारियों को संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए नए ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण, प्रसारण तंत्र की मजबूती, मेटेरियल की उपलब्धता, खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने, कृषि कनेक्शन जारी करने, एक्सचेंज से बिजली खरीद, उत्पादन संयंत्रों के नियमित मेंटिनेंस के काम को समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की बिजली संबंधी समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका यथासंभव शीघ्र निराकरण किया जाए। जयपुर, फलौदी, चूरू, बारां, झालावाड़, जोधपुर, हनुमानगढ़ आदि जिलों से आए किसान संघ के पदाधिकारियों ने कृषि क्षेत्र से जुड़ी अपेक्षाओं की ओर ऊर्जा मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स भानुप्रकाश एटूरू, जोधपुर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा, अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा, जयपुर डिस्कॉम के निदेशक (तकनीकी), प्रसारण निगम के निदेशक (तकनीकी) एवं निदेशक (ऑपरेशन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य कैलाश गांडोलिया, प्रदेश मंत्री तुलसाराम, चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष शंकरलाल नागर, जयपुर प्रांत महामंत्री सांवरमल सोलेट ने कृषि उपभोक्ताओं से संबंधित अपेक्षाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

सरकार के प्रयास से अटल भूजल योजना में प्रदेश अब तीसरे स्थान पर

'अटल भूजल योजना से राजस्थान जल के क्षेत्र में बनेगा आत्मनिर्भर'

बेधड़क | जयपुर

भूजल मंत्री कन्हैया लाल ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थिति और भूजल की अत्यधिक कमी से जूझ रहा प्रदेश अटल भूजल योजना से जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था और विकास जल की उपलब्धता पर निर्भर करता है। नवीन उद्योगों की स्थापना भी जल की उपलब्धता वाले राज्यों में अधिक होती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की भूजल को लेकर नवीन नीतियों और कार्यों का ही परिणाम है कि अटल भूजल योजना में अब हमारा प्रदेश 7वें स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। भूजल मंत्री बुधवार को अटल भूजल योजना के अंतर्गत राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई जयपुर द्वारा राज्य कृषि अनुसंधान केंद्र दुर्गापुरा में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कन्हैयालाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर 25 दिसंबर] 2019 को प्रारंभ की गई अटल भूजल योजना वर्तमान में प्रदेश के 17 जिलों में संचालित है। पूर्व प्रधानमंत्री का नदियों को आपस में जोड़ने का सपना राजस्थान के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई की ड्रिप, स्प्रिंकलर आदि तकनीकों के माध्यम से पानी बचाया जा सकता है। साथ ही वर्षा जल को बचाने के लिए बेहतर प्रयास होने चाहिए, उपयुक्त स्थानों पर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए जाएं।

वर्षा जल बचाने के सघन एवं सामूहिक प्रयास करने होंगे

भूजल मंत्री कन्हैया लाल ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में पानी की सर्वाधिक कमी है। इस बार प्रदेश में अच्छी बारिश हुई, लेकिन वर्षा जल संचय के पर्याप्त प्रयास न होने से अधिकांश वर्षा जल व्यर्थ बह गया। उन्होंने कहा कि हमें वर्षा जल बचाने के सघन एवं सामूहिक प्रयास करने होंगे। भूजल का कम दोहन और अधिक रिचार्ज पर ध्यान देना होगा। भूजल विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि प्रदेश के ग्राउंड वाटर लेवल की स्थिति का आकलन किया जाता है तो देश में सर्वाधिक विकट स्थिति राजस्थान की पाई जाती है इसलिए आने वाले समय में भूजल स्तर को सुधारना है। उन्होंने कहा कि अटल भूजल योजना का मुख्य उद्देश्य ही सामुदायिक सहभागिता से चिह्नित क्षेत्रों में गिरते भूजल स्तर की रोकथाम के लिए आमजन में जल के प्रति व्यवहार परिवर्तन किया जाना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत मार्च 2025 तक सभी कार्य पूर्ण करने हैं। साथ ही इस योजना को पूरे देश में तीसरे स्थान से प्रथम स्थान पर लाना है। इसके लिए भरसक प्रयास करने की आवश्यकता है।

पेयजल स्रोतों का रखरखाव किया जाना जरूरी

भूजल विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में वर्षा का जल व्यर्थ रूप में बहकर चला जाता है। इसके लिए कोई ठोस कार्य योजना बनाया जाना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्मित सतही पेयजल के स्रोतों का रख-रखाव किया जाना जरूरी है, क्योंकि इसमें सीवरेज का पानी जा रहा है, जिससे भूजल भी खराब हो रहा है। इसलिए इस पर कार्य करने की बहुत ज्यादा जरूरत है। कार्यक्रम में एनपीएमयू नई दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रतुल सक्सेना, नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी हैदराबाद के डॉ आईसी दास, अटल भूजल योजना के नोडल ऑफिसर डॉ. बीएन भावे, छत्तीसगढ़ के जलदाय विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता हरीश हिंगोरानी, अजय कुमार साहू, यूनिसेफ विशेषज्ञ रुषभ हेमानी ने तकनीकी सत्रों में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में प्रदेश के 17 जिलों से राज्य एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई तथा सहभागी विभागों के नोडल अधिकारी, भूजल एवं जलदाय विभाग के अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे।

दो दिन का रहेगा प्रवास... कई कार्यक्रमों में करेंगी शिकस्त

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन आज से उदयपुर दौरे पर

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय वित्त एवं सहकारी मामलात विभाग मंत्री निर्मला सीतारमन दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को उदयपुर आएंगी। जिला प्रशासन केंद्रीय मंत्री की यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने यात्रा कार्यक्रम को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

जिला कलेक्टर ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री गुरुवार सुबह दिल्ली से प्रस्थान कर 11:20 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेगीं। वे दोपहर 12:30 बजे रीजनल रूरल बैंक (वेस्ट एण्ड सेंट्रल) की समीक्षा बैठक लेंगी। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे एयरपोर्ट रोड स्थित स्मॉल इंडस्ट्रीज डवलपमेंट बैंक कार्यालय का निरीक्षण करेंगी तथा सुखेर औद्योगिक क्षेत्र पहुंच कर हवेली मार्बल प्राइवेट लिमिटेड का अवलोकन करेंगी।

केंद्रीय मंत्री का शाम 5 बजे मार्बल भवन में मार्बल कलस्टर से जुड़ी एमएसएमई यूनिट संचालकों से संवाद कार्यक्रम होगा। इसके बाद होटल देवीगढ़ पहुंच कर रात्रि विश्राम करेंगी। सीतारमन अगले दिन 23 अगस्त को सुबह नाथद्वारा पहुंच कर श्रीनाथजी के दर्शन करेंगी। सुबह 11:15 बजे हिरण मगरी सेक्टर 14 में जीएसटी भवन के लोकार्पण समारोह में भाग लेंगी। वहां से दोपहर 1.45 बजे रवाना होकर 2:30 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगी तथा दोपहर 3 बजे विमान से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

केंद्रीय सचिव भी आएंगे

भारत सरकार के वित्त विभाग के सचिव एम नागराजू 22 अगस्त की सुबह 11:20 बजे उदयपुर आएंगे। वे केंद्रीय वित्त एवं सहकारी मामलात विभाग मंत्री निर्मला सीतारमन के साथ आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। वे 23 अगस्त को दोपहर 3.20 बजे वायुयान से दिल्ली जाएंगे।

लोहागढ़ विकास परिषद का कृष्ण लीला महोत्सव

महारास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे देवनानी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर 25 अगस्त को लोहागढ़ विकास परिषद के बाल गोपाल, माखन चोर, कृष्ण लीला, महारास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा और कार्यक्रम संयोजक गोपाल गुप्ता ने विधानसभा में देवनानी से भेंटकर अंगवस्त्र पहनाकर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का निमंत्रण दिया। राज्य कृषि प्रबंध संस्थान सभागार, दुर्गापुरा, जयपुर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बाल-गोपाल, माखन चोर, कृष्ण लीला प्रतियोगिता एवं महारास कार्यक्रम होंगे। संयोजक गुप्ता ने बताया कि गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेडम, विधायक कालीचरण सर्राफ और गोपाल शर्मा तथा राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन लि. की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक, डॉ. सुषमा अरोडा विशिष्ट अतिथि होंगी।

डिप्टी सीएम ने ली अफसरों की मीटिंग... दिए निर्देश

खाटूश्याम मंदिर कॉरिडोर के समग्र विकास के लिए बनाए उत्कृष्ट DPR

बेधड़क | जयपुर

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए है कि बजट घोषणा की क्रियान्विति में श्री खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर विकास के लिए उत्कृष्ट डीपीआर बनाकर समग्र विकास की सोच के साथ काम करें।

उन्होंने कहा कि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र में जन सुविधाओं यथा सड़क, परिवहन, यात्रियों के ठहराव, दर्शनों में सुगमता, भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर एक बेहतर कार्य योजना बनाई जाए ताकि श्री खाटू श्याम मंदिर कॉरिडोर को एक मॉडल के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने बुधवार को सचिवालय में वित्त, सार्वजनिक निर्माण और पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने श्री खाटू श्याम जी मंदिर के आगामी विकास योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालु सुलभ सुविधाए विकसित करने एवं उन्हें पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विद्याधर नगर की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए साझा बैठक

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की उपस्थिति में जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर जयपुर, सार्वजनिक निर्माण विभाग, रीको, एनएचएआई तथा अन्य विभागों को साझा योजना बनाकर समस्याओं के समाधान एवं नए प्रोजेक्टस के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नींदड आवासीय योजना के काश्तकारों एवं अन्य हितधारकों को संतुष्ट करके इससे संबंधित प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए। उन्होंने विद्याधर नगर क्षेत्र विशेषकर सीकर रोड पर महाराजा शेखा सर्किल से ट्राइटन मॉल की तरफ, खातीपुरा रोड, 14 नं. तथा रीको एरिया से ही अन्य स्थानों पर होने वाले जलभराव के समाधान के लिए विस्तृत योजना बनाकर उसे तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जेडीए क्षेत्र में आने वाली सभी कॉलोनियों में नई सड़क बनाने से पहले नालियां एवं सुचारू ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाएं ताकि जलभराव की समस्या नहीं हो। उन्होंने कहा कि जहां जलभराव की समस्या रहती है उन स्थानों पर सीसी सड़क का निर्माण किया जाए ताकि बार-बार सड़क टूटने की समस्या नहीं आए। उप मुख्यमंत्री ने अल्का सिनेमा के सामने, विद्याधर नगर स्टेडियम के सामने वाली रोड, वार्ड नं. 23 के पुराने बस स्टेण्ड सहित सभी सेक्टर रोडों पर से बिना किसी भेदभाव के अतिक्रमण हटवाने के निर्देश निगम एवं जेडीए के अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान पुरानी सड़क पर लेयर चढ़ाने के स्थान पर लेयर को हटाकर सड़क बनाई जाए।

NIRWAN UNIVERSITY JAIPUR
निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर

Established by the Rajasthan State Legislature vide Act No.2 of 2017 and recognised U/s 2(f) of the UGC Act 1956

ADMISSIONS OPEN 2024-25

REGISTER NOW

- B.Com, M.Com
- BCA, MCA
- BDS, MDS
- B.Tech., M.Tech.
- B.Sc., M.Sc.
- BA, MA
- D.MLT, B.MLT
- B.Pharm, D.Pharm
- Yoga
- BPT, MPT
- B.Sc. Nursing
- LL.B., LL.M.
- B.Sc. (Hons.) Agri, M.Sc. (Ag) Agronomy, DAESI

SALIENT FEATURES

- Industry Oriented Programmes
- Lush Green Campus
- Modern Infrastructure
- Highly Qualified & Committed Faculty
- Hi-Tech Labs
- Interdisciplinary Research Cell
- Innovative Teaching-Learning
- Placement Cell
- Wi-Fi- enabled Campus & Hostel
- Separate Hostel for Boys'& Girls'
- Transportation Facilities
- Sports Facilities
- Extra-Curricular Activities
- Admissions through CUET 2024-25

INNOVATION CULTURE

Inculcate the Spirit of Innovation: Be part of a Culture that Fuels Creativityand Drives Progress

BEST FACULTY

Unlock Your Potential under the Guidance of the Best Faculty: Empowering Minds and Shaping Futures

TOP PLACEMENT

Elevate your Career to New Heights with Premier Placements, where Success Paves its way

GLOBAL TIE-UPS

Broaden your Horizons and Seize Limitless Opportunities across the Globe through International Partnerships

idp | NATIONAL RESEARCH UNIVERSITY | sas

25+ STATES

20000+ STUDENTS' NETWORK

25 Yrs' OF EXCELLENCE IN HIGHER EDUCATION

MORE INFORMATION: +91 9289800300

MAIN CAMPUS : Nirwan University Jaipur, Near Bassi- Rajadhok Toll, Agra Road, Jaipur- 303305,
CITY OFFICE : 21, Sahkar Marg, 1st Floor, Near 22 Godam Circle, Jaipur – 302019 Rajasthan,
Call : +91 141- 2228000 | Email : info@nirwanuniversity.ac.in | Website : www.nirwanuniversity.ac.in

जरूरी खबर

कार-बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

डूंगरपुर। धंबोला थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवको की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के समय बाइक सवार दोनों युवक कार के नीचे फंस गए, जिन्हें कार चालक करीब 300 से 400 मीटर घसीटते हुए ले गया। थानाधिकारी ने बताया कि एक रफ्तार कार सीमलवाड़ा की तरफ से डूंगरपुर की तरफ जा रही थी। इस दौरान धंबोला जीएसएस के पास तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर तीन युवक सवार थे।

टनकपुर-दौराई त्रि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन

अजमेर। रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए टनकपुर-दौराई-टनकपुर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 05097, टनकपुर-दौराई त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा टनकपुर से प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को 18.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 13.40 बजे दौराई पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05098, दौराई-टनकपुर त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 1 अक्टूबर से दौराई से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को 16.05 बजे रवाना होकर अगले दिन 09.35 बजे टनकपुर पहुचेंगी।

ट्रक में आग, चालक और खलासी ने कूद कर बचाई जान

धौलपुर। एनएच-44 स्थित चौकी हिनौता गांव के नजदीक चलते ट्रक में बुधवार देर शाम को अचानक आग लग गई। डीजल टैंक के नीचे से लगी आग ने पल भर में गाड़ी को चपेट में ले लिया। मनिया थाना इलाके में एनएच-44 पर चौकी हिनोता गांव की नजदीक अचानक चलते हुए ट्रक में नीचे से आग लग गई। बताया जा रहा है आग की चिंगारी फ्यूल टैंक लीकेज होने से शुरू हुई थी। डीजल टैंक में आग लगने से पल भर में पूरी गाड़ी को चपेट में नीचे से ले लिया। इस दौरान ट्रक चलता ही रहा। हाईवे पर गुजर रहे वाहन लोगों ने चालक और खलासी को आग की घटना से अवगत कराया। इस पर ट्रक चालक और खलासी ने कूद कर जान बचाई।

उदयपुर हिंसा के बाद भजनलाल सरकार का एक्शन...

स्कूल की प्रधानाचार्य सस्पेंड... क्लास टीचर को किया एपीओ

बेधड़क | बीकानेर

भजनलाल सरकार ने उदयपुर हिंसा मामले में बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया। इसके साथ ही मृतक छात्र देवराज की क्लास टीचर को एपीओ करने की कार्रवाई की गई है।

चाकूबाजी की घटना में घायल होने के बाद 15 वर्षीय छात्र देवराज ने 4 दिन तक जारी इलाज के बाद सोमवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया था मंगलवार सुबह लोगों की भारी भीड़ और सुरक्षाबलों की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार किया गया था। राजस्थान माध्यमिक

शिक्षा विभाग के निदेशक आईएएस आशीष मोदी ने अपने आदेश में लिखा, 'उदयपुर के राउमावि भट्टियानी चौहट्टा स्कूल में 16 अगस्त को कक्षा 10 में पढ़ने वाले दो विद्यार्थियों में आपस में झगड़ा हो गया। इस दौरान एक छात्र ने चाकू से हमला कर दूसरे छात्र को घायल कर दिया, जिसकी बाद में उपचार के दौरान 19 अगस्त को मृत्यु हो गई। यह पूरी घटना स्कूल के मेन गेट से पास घटित हुई। यह प्रिंसिपल और स्टाफ की विद्यार्थियों के प्रति सजगता के संबध में लापरवाही को दर्शाता है। इस मामले में स्कूल की प्रिंसिपल ईशा धर्मावत द्वारा नियमित रूप से विद्यार्थियों की उचित निगरानी, उपस्थिति एवं अनुशासन के बारे में सजगता नहीं रखी गई। स्टूडेंट अपने साथ क्या-क्या सामग्री स्कूल में ला रहे हैं, इस संबध में नियमित रूप से तलाशी नहीं ली गई। उन्हें संदिग्ध सामग्री पाए जाने पर उचित रोकथाम करते हुए विद्यार्थियों को एवं उनके अभिभावकों को समय-समय पर पाबंद करना चाहिए था, जो उक्त प्रकरण में नहीं किया गया।

'स्टूडेंट के इलाज में हुई देरी'

आदेश कॉपी में आगे लिखा कि विद्यालय प्रशासन द्वारा घायल छात्र को चिकित्सालय ले जाने में भी देरी करते हुए लापरवाही बरती गई। इसलिए प्रकरण में उपरोक्तानुसार लापरवाही बरतने के कारण ईशा धर्मावत के विरुद्ध एक विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए राजस्थान असैनिक सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 13 (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन्हें तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है। निलंबन काल में इनका मुख्यालय कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर रहेगा एवं इन्हें निर्वाह भत्ता नियमानुसार देय होगा।

क्लास टीचर के खिलाफ होगी जांच

वहीं, दूसरा आदेश उदयपुर संभाग के संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) महेंद्र कुमार जैन ने जारी किया है। उन्होंने लिखा, 'राउमावि भट्टियानी चौहट्टा स्कूल में 16 अगस्त को कक्षा 10वीं के दो छात्रों के बीच हुए झगड़े और चाकूबाजी की घटना के संबंध में उदयपुर जिला कलेक्टर और माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने 20 अगस्त को फोन पर एक आदेश दिया। इसी की पालना में वरिष्ठ अध्यापक (क्लास टीचर) राकेश जारोली के विरुद्ध विभागीय जांच विचाराधीन रखते हुए तत्काल प्रभाव से आदेशों की प्रतीक्षा में (एपीओ) किया जा रहा है। इस दौरान इनका मुख्यालय कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भैंसरोड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ किया जाता है। संबधित संस्था प्रधान जारोली को तत्काल कार्यमुक्त कर पालना से अवगत कराएं।

DFO और वन रेंजर को हटाने की मांग को लेकर धरना चौथे दिन भी जारी

काले हिरण का शव रख ग्रामीणों ने किया नेशनल हाईवे जाम

बेधड़क | श्रीगंगानगर

जिले के सूरतगढ़ में काले हिरण के शिकार के बाद फैला आक्रोश अब तक शांत नहीं हुआ है। डीएफओ और वन रेंजर को हटाने की मांग को लेकर धरना बुधवार को चौथा दिन भी जारी रहा। मंगलवार दोपहर से हाईवे पर जाम लगा हुआ है। हिरण के मृत शरीर को डीप फ्रीज में रखकर रात भर प्रदर्शनकारियों ने धरनास्थल पर जागरण का आयोजन किया।

बिश्नोई मंदिर समिति, बुड्ढा जोहड़ के प्रधान अरविंद बिश्नोई का कहना है कि जब तक लापरवाह डीएफओ और सूरतगढ़ के वन रेंजर को सस्पेंड नहीं किया जाता तब तक न तो धरना खत्म होगा और न ही हाईवे खुल पाएगा। कई बार प्रदर्शनकारियों और प्रशासन के बीच बातचीत हुई, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। जिला कलेक्टर लोकबंधु और एसपी गौरव यादव ने भी प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। उन्होंने आश्वासन दिया कि डीएफओ और रेंजर को निलबिंत करने की अनुशंसा की जाएगी, लेकिन प्रदर्शनकारी लिखित में सस्पेंड करने के आदेश की मांग पर अड़े हुए हैं।

पुलिस ने वाहनों को किया डाइवर्ट

हाईवे जाम होने की वजह से पुलिस ने वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट किया। मृत हिरण का शव डीप फ्रीज में रखा हुआ है और प्रदर्शनकारी लगातार धरना दे रहे हैं। धरनास्थल पर बड़ी संख्या में वन्यजीव प्रेमी और बिश्नोई समाज के लोग मौजूद हैं। बिश्नोई मंदिर समिति, बुड्ढा जोहड़ के प्रधान अरविंद बिश्नोई ने बताया कि रात भर जागरण हुआ और बुधवार को भी बीकानेर, नोखा और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग धरने में शामिल हुए।

क्या है मामला

चार दिन पहले सूरतगढ़ के वन क्षेत्र में शिकारी ने गोली मारकर एक काले हिरण की हत्या कर दी थी। इस घटना से वन्यजीव प्रेमियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए धरना शुरू किया। बता दें कि पिछले दो महीनों में यह हिरणों के शिकार की तीसरी घटना है. प्रदर्शनकारियो का कहना है कि वन विभाग की लापरवाही से शिकारी पकड़े नहीं जाते। ऐसे में डीएफओ और वन रेंजेर को सस्पेंड करने की मांग की जा रही है।

झाड़ियों में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था युवक का शव

विधायक-एसपी की समझाइश के बाद धरना समाप्त

बाड़मेर। लापता युवक नरेंद्र सिंह के संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने के मामले में जिला अस्पताल की मोर्चरी के आगे चल रहा धरना प्रदर्शन दूसरे दिन विधायक प्रियंका चौधरी और पुलिस अधीक्षक की समझाइश के बाद समाप्त हो गया। धरने पर बैठे मृतक के परिजनों और समाज के लोगों को उचित कार्रवाई का आश्वासन देने के साथ एसपी नरेंद्र मीणा ने मामले में खुद मॉनिटरिंग का भरोसा दिलाया। पुलिस ने एक संदिग्ध युवक डिटेन किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। दरअसल, चार दिनों से घर से लापता नरेंद्र सिंह का दो दिन पहले सोमवार शाम को जिले के शिव थाना इलाके देवका गांव के पास झाड़ियों में संदिग्ध परिस्थितियों में शव

मिला था। इसके बाद परिजनों ने हत्या का अंदेशा जताते हुए मंगलवार सुबह जिला अस्पताल की मोर्चरी के आगे धरने पर बैठ गए। इस बीच धरने पर बैठे लोगों के साथ पुलिस के अधिकारियों की वार्ताओं का दौरा हुआ, लेकिन सहमति नहीं बनी। बुधवार को बाड़मेर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी और पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने धरने पर बैठे मृतक के परिजनों ओर समाज के लोगो से वार्ता की। इसमें सहमति बनने के बाद मृतक के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए शव सुपुर्द किया गया। समाज के हरिसिंह राठौड़ ने बताया कि नरेंद्र सिंह के मामले का खुलासा करके आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग रखी थी। धरना स्थल पर विधायक प्रियंका चौधरी और पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा आए। पुलिस अधीक्षक ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसपी नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि शव मिलने के मामले को लेकर धरने पर बैठे लोगों के साथ सकारात्मक वार्ता हुई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक युवक को गुजरात से डिटेन किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। परिजनों ने पहले गुमशुदगी दर्ज कराई थी और उसके बाद हत्या की रिपोर्ट दी है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

एक-दूसरे के बचाने में गई चारों की जान

तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों सहित चार की मौत

विजय हंसराज दिलकुश

बेधड़क | टोंक

जिले के उनियारा थाना क्षेत्र के मोहम्मद गढ़ गांव में चार युवकों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसे का शिकार होकर जान गंवाने वालों चारों युवक मूल रूप से रघुनाथपुरा खुर्द के रहने वाले थे। भैंस को पानी से निकालने और एक-दूसरे के बचाने के चक्कर में चारों की जान चली गई।

उनियारा थाना प्रभारी धर्मेंद्र दायमा बताया कि मरने वालों में दो सगे भाई है। विजय (16) पुत्र रामनिवास, विकास (18) पुत्र रामनिवास बैरवा, हंसराज (16) पुत्र श्योजी लाल और दिलकुश (18) पुत्र श्योजी लाल बैरवा निवासी रघुनाथपुर खुर्द बुधवार को मोहम्मद गढ़ तालाब के पास भैंसों को चराने के लिए गए हुए थे। तभी अचानक भैंसों को गहरे पानी में जाते देख एक युवक पानी में कूद गया।

उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक तीन युवक तालाब में कूद गए। गहरे पानी में फंसे युवकों की चीख पुकार सुनकर भागचंद, दीपक व कालू बैरवा मौके पर पहुंचे और उन्होंने जैसे-तैसे कर उनको बाहर निकाला, लेकिन शरीर में पानी अत्यधिक मात्रा में जाने के कारण चारों युवक बच नहीं पाए। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से उन्हें चिकित्सालय में लाया गया, जहां डॉ. लेखराज मीणा ने चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया। गनीमत रही कि एक युवक भी चारों को बचाने के लिए पानी में कूदा था।

वह तैरना जानता था। इसके कारण वह पानी से बाहर निकल आया और उसकी जान बच गई। हादसे की सूचना मिलते ही समाज के लोग उनियारा चिकित्सालय पहुंच गए, जहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से उनको सहायता देने की मांग की। चारों युगों की सूचना मिलने पर परिवार जनों का रो-रोकर चिकित्सालय में बुरा हाल है। गनीमत रही कि एक युवक भी चारों को बचाने के लिए पानी में कूदा था। वह तैरना जानता था। जिसके कारण वह पानी से बाहर निकल आया और उसकी जान बच गई।

पोखर में गिरा बुजुर्ग, डूबने से हुई मौत

भरतपुर। थाना गढ़ीबाजना क्षेत्र के गांव चंदोलपुरा में बुधवार को पोखर में डूबने से 64 वर्षीय पशुपालक बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग पोखर में पानी पीने घुसी अपनी भैंसों को बाहर निकाल रहा था। उसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया, जिससे पोखर के गहरे पानी में डूबने से बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक का बयाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। गढ़ी बाजना थाना के हेड कांस्टेबल भरत सिंह ने बताया कि गांव ओखलियापुरा निवासी चतरसिंह गुर्जर (64) गांव चंदोलपुरा में भैंसों को चराने गया था। भैंसे पोखर में पानी पीने उतरी थी, जिन्हें चतर सिंह किनारे पर खड़ा होकर बाहर निकाल रहा था।

दौसा जिले का बहुचर्चित जितेंद्र मीणा हत्याकांड

जीतू बोरोदा मर्डर केस में तीन को उम्रकैद, सात आरोपियों को किया बरी

बेधड़क | दौसा

12 साल पहले दौसा जिले के बहुचर्चित जितेंद्र मीणा उर्फ जीतू बोरोदा हत्याकांड मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है, जबकि 7 लोगों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। बता दें कि 11 मई, 2022 को प्रॉपर्टी के विवाद में वर्चस्व की लड़ाई के चलते जीतू बोरोदा की हत्या कर दी थी।

आरोपियों ने पहले तो जीतू का अपहरण किया। इसके बाद उसे पीटते-पीटते जयपुर तक लाए। आरोपियों ने बीगास मोड पर जीतू के साथ मारपीट की। इसके बाद बदमाशों ने आठ गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी। फिर उसकी

कार में तोड़फोड़ कर उसे गेटोलाव बांध के पास पटक गए थे।

बदमाशों ने जीतू से मारपीट से लेकर हत्या तक का फेसबुक पर लाइव भी किया।

इस संबंध में मृतक जीतू के चचेरे भाई विक्रम मीणा ने कोतवाली थाने में 14 लोगों के खिलाफ हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

फेसबुक लाइव करके दी थी मारने की धमकी

एक युवक हनुमान मीणा की फेसबुक आईडी से इन सभी ने लाइव आकर जीतू मीणा को जान से मारने की धमकी दी थी और गाली गलोच भी की थी, ताकि जीतू मीना उत्तेजित होकर अपने घर से बाहर आए और जीतू मीणा की हत्या की जा सके, लेकिन जीतू मीना अपने घर से बाहर नहीं निकला। क्योंकि महेंद्र राम्या वाला और उसके साथी जीतू को मारने की फिराक में थे। उसे इस बात की भनक थी।

पुलिस के लिए चुनौती था जीतू मर्डर केस

इस ब्लाइंड मर्डर केस का कोई चश्मदीद गवाह नहीं था, ऐसे में आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी। कोतवाली थाना पुलिस की अलग-अलग टीमों ने महेंद्र मीणा, हनुमान मीणा, गौतम मीणा, रिंकू मीणा बागपुरा, पायलट मीना, गंगाधर पाटन, टिंकल उर्फ टिंकू, अशोक मीणा, जसराम व विष्णु को हत्या का आरोपी बनाकर उनके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र कुमार ने रिंकू मीणा व पायलट मीणा निवासी बागपुरा तथा विष्णु उर्फ विशना उर्फ भिंडा को उम्रकैद की सजा सुनाई। वहीं अन्य सात आरोपियों को बरी कर दिया। अधिवक्ता अभिनंदन गुप्ता ने आरोपी टिंकल की ओर से पैरवी की, जिसे बरी कर दिया, वहीं अन्य अधिवक्ता ने सात आरोपियों की पैरवी की जिनमें से दो को सजा व पांच को बरी किया गया।

ऐसे रचा था हत्या का षड्यंत्र

4 मई 2022 को किसी केस में आरोपी महेंद्र राम्यावाला और उसके साथी दौसा कोर्ट में पेशी के लिए आए थे, उसी दिन जीतू मीणा बोरोदा और उसके साथी भी दौसा कोर्ट पहुंच गए। जहां दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर बहस हुई। उसके बाद महेंद्र और उसके साथी सूरजपुरा में अपने दोस्त हनुमान मीणा और गौतम मीणा के घर चले गए। जहां पर इन सभी ने शराब पीकर जीतू मीणा की हत्या का षड्यंत्र रचा।

क्या था मामला

जीतू बोरोदा दौसा जिले का रहने वाला था और वह प्रॉपर्टी कारोबारी था। उसके खिलाफ दौसा जिले के कई थानों में आठ से दस केस दर्ज थे। उसी महीने में जीतू की शादी होनी थी। शादी से पहले पीली पत्री लेकर आए मेहमानों को छोड़ने के लिए वह उसी दिन शाम घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं पहुंचा। घटना वाले दिन वह दौसा में था और उसने वहीं खाना खाया था। उसके बाद वह दौसा शहर से लालसोट की ओर जा रहा था। प्रॉपर्टी कारोबारी होने के कारण जीतू का अपने पार्टनर से विवाद चल रहा था। वे भी गैंगस्टर ही थे। उनके खिलाफ भी दौसा के कई थानों में केस दर्ज थे। दोनों पक्षों के बीच विवाद था। इस विवाद को लेकर दुश्मन उस पर नजर रख रहे थे। जिस दिन ये पूरी वारदात हुई उस वक्त उसके साथ दो अन्य लोग भी थे। जो जीतू का पीछा कर रहे थे। इस बीच जीतू को गेटोलाव रोड की ओर आता देखा। इस दौरान बदमाशों ने जीतू का अपहरण कर लिया और गाड़ी में डालकर जयपुर की तरफ ले गए। बदमाशों ने उसके साथ जबरदस्त मारपीट की। उसके बाद देर रात उसका शव जयपुर जिले के बस्सी थाना इलाके में स्थित बासखो क्षेत्र में मिला। उसके शरीर पर चोटों के निशान मिले। बदमाशों ने जीतू के बीच पैरों में आठ से दस गोलियां मारी।

जरूरी खबर

सहायक आचार्य भर्ती के साक्षात्कार 28-29 को होंगे

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा- 2023 के अन्तर्गत 6 विषयों के साक्षात्कार का आयोजन आगामी 28 एवं 29 अगस्त को किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रमानुसार सिंधी, म्यूजियोलॉजी तथा म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट- सितार विषय के लिए साक्षात्कार 28 अगस्त तथा पंजाबी, म्यूजिक- वॉयलिन एवं म्यूजिक- तबला के साक्षात्कार का आयोजन 29 अगस्त को किया जाएगा। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे।

पुलिस ने अपहृत बच्चे को 9 घंटे में छुड़ाया

जयपुर। सांगानेर सदर इलाके से मंगलवार शाम को अपहरण हुए 12 साल के नाबालिग बालक को तीन थानों की पुलिस ने 250 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालकर देर रात को छुड़ा लिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियें ने कर्जा चुकाने के लिए नाबालिग का अपहरण किया था और बासखों इलाके में ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया था। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो नाबालिग एक कमरे में बंद था और मुंह पर टेप लगी थी। आरोपियों ने उसकी आंखों पर पट्टी के साथ हाथ-पैर बांध रखे थे। पुलिस ने मामले में टोंक रोड बड़ का वास निवासी सचिन मीणा व उसके साथी अशोक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी सचिन मीणा ने बताया कि उस पर कर्ज था। कर्ज उतारने के लिए उसने दोस्त अशोक मीणा के साथ प्लानिंग बनाई और घर के बाहर खेल रहे परिचित के बच्चे का अपहरण कर लिया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

मानवाधिकार आयोग ने कहा-15 दिन में छात्रों की सुरक्षा करें सुनिश्चित

RU के हालत पर कलेक्टर, कुलपति समेत 4 को नोटिस

बेधड़क | जयपुर

बारिश के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी के बदहाल हालात पर मानवाधिकार आयोग के जस्टिस जी आर मूलचंदानी ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए राजस्थान यूनिवर्सिटी की कुलपति, फाइन आर्ट डिपार्टमेंट के विभाग अध्यक्ष, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव और कलेक्टर को मंगलवार शाम को नोटिस जारी किया है। इसमें उन्होंने इस पूरे मामले में प्रभावी कार्रवाई के साथ ही 15 दिन में यानी 6 सितंबर तक इस पूरे मामले में रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। दरअसल, राजस्थान यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट में बारिश के बाद हालात पूरी तरह बिगड़ चुके हैं। यहां बारिश के बाद पानी के साथ प्लास्टर भी गिरने लगा है। इसकी वजह से डर कर स्टूडेंट्स अब हेलमेट लगाकर पढ़ने को मजबूर है। दीवारों में सीलन आ चुकी है। छत से प्लास्टर गिर रहा है। लेकिन, शासन और प्रशासन द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स अब हेलमेट लगाकर खुद की जान बचा रहे हैं।

5 साल से इसी तरह के हालात

राजस्थान यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट के छात्रों ने बताया कि इस पूरे डिपार्टमेंट में पिछले 5 साल से इसी तरह के हालात हैं। हर साल बारिश के सीजन में इसी तरह दीवारों से पानी गिरने लगता है। कभी छत का प्लास्टर तो कभी दीवार ही गिर जाती है। इस बार भी बारिश के सीजन में लगातार छत से प्लास्टर गिर रहा है, लेकिन यूनिवर्सिटी प्रशासन इस और ध्यान नहीं दे रहा है। इसकी वजह से छात्र अपनी जान जोखिम में डाल पढ़ने को मजबूर है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि प्रोफेसर्स के ऑफिस तक में फॉल सीलिंग गिर गई। गनीमत यह रही कि उसे वक्त वह मौजूद नहीं थे। वरना बहुत बड़ा हादसा हो सकता था। इससे डरकर अब तो स्टूडेंट भी हेलमेट लगाकर पढ़ने को मजबूर हैं। ताकि किसी भी हादसे से खुद को सुरक्षित रख सके। अखबरों में मामला आने के बाद अब मानव अधिकार आयोग ने एक्शन लिया है। ऐसे में उम्मीद जगी है कि जल्द ही यहां के हालत सुधरेंगे।

गिर रहा है छत का प्लास्टर

स्टूडेंट्स का कहना है कि राजस्थान यूनिवर्सिटी में हमें छत से गिरने वाला प्लास्टर और पानी परेशान कर रहा है। इससे बचने के लिए अब हम हेलमेट लगाकर कैंपस में पढ़ाई कर रहे हैं। अपनी जान को बचाकर तालीम हासिल कर सकें। क्योंकि यूनिवर्सिटी प्रशासन को हमसे कोई सरोकार नहीं है। पूरी बिल्डिंग से पानी गिरता रहता है। दीवारों का चूना झड़ने लगा है। जगह-जगह छत गिर रही है, अब तो दीवारों से भी करंट आने लगा है। ऐसे में इस पूरे कैंपस में आने से ही डर लगता है। मजबूरी में हर दिन अपनी जान जोखिम में डाल हम यहां पढ़ने आते हैं।

बंद के साइड इफेक्ट : बाजार बंद कराने पर सिटी के व्यापारियों ने जताया रोष

बाजार को 100 करोड़ का नुकसान मंडी में क्विंटलों हरी सब्जियां खराब

■ कारोबारियों की चेतावनी...मुख्य बाजारों से अगर रैलियां निकली तो करेंगे विरोध

बेधड़क | जयपुर

अनुसूचित जाति आरक्षण में क्रीमीलेयर के विरोध में बुधवार को भारत बंद के चलते बाजार बंद रहे। कहीं कहीं दुकानें खुली मिली, जिन्हें भी बंद करवा दिया गया। बंद के कारण जयपुर में एक ओर जहां करोड़ों का व्यापार प्रभावित हुआ, वहीं दूसरी ओर एशिया की सबसे बड़ी फल सब्जी मंडी मुहाना मंडी में भी कई क्विंटल हरी सब्जियां खराब हो गई।

शहर में आए दिन बंद को देखते हुए व्यापारियों ने अपना विरोध भी जताया है। परकोटे के व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से आगे से शहर में रैली निकालने की परमिशन नहीं देने का आग्रह किया है। व्यापारियों ने कहा है कि पुराने शहर में देश विदेश से टूरिस्ट आते है। बंद के कारण टूरिस्ट अपना प्लान कैंसिल करवा लेते है। इससे व्यापारियों को कई दिनों तक नुकसान होता है।

दुकानें बंद करने से कोई बात नहीं सुनी जाती

उन्होंने बताया आए दिन बंद और रैली से व्यापारी परेशान हो चुके है। परकोटे में पहले से ट्रैफिक की समस्या है। अब उस पर बार बार रैलियों के कारण दुकानें बंद करनी पड़ जाती है। अभी त्योहारी सीजन चल रहा है। यह समय व्यापार धंधे का होता है, लेकिन कभी किन कारणों से कभी किन परिस्थितियों से दुकानें बंद करवा दी जाती है। दुकानें बंद करने से कोई बात सुनी जाती है। हम व्यापारियों ने तय किया है कि इसके बाद शहर की मुख्य बाजारों से रैलियां अगर निकलती है तो हम उसका विरोध करेंगे। इसके लिए हम सीएम तक से शिकायत करेंगे।

बसें भी नहीं चलीं, यात्री होते रहे परेशान

बंद के चलते राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में सुबह से ही रोडवेज बसों का संचालन नहीं हुआ। ऐसे में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि रोडवेज प्रशासन ने बसों को नियमित संचालन को लेकर मंगलवार शाम आदेश जारी किए थे। लेकिन, बंद के चलते कई आगारों ने बसों का संचालन नहीं किया है। इधर, राजधानी जयपुर में जेसीटीएसएल की चलने वाली लो-फ्लोर बसों का संचालन भी बंद किया गया। SC-ST आह्वान पर भारत बंद के चलते सुरक्षा की दृष्टि लो-फ्लोर बसों को नजदीकी थानों में खड़ी करने और आगार के पास वाली गाड़ियों को डिपो बुलाया गया।

बंद से टूरिस्ट व्यापार हो रहा प्रभावित

जयपुर व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया ने बताया कि भारत बंद के कारण जयपुर में व्यापारियों को 100 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। यह नुकसान केवल एक दिन का नहीं है। बल्कि इसका असर अगले 7 दिनों में और देखने को मिलेगा। जयपुर आने वाले टूरिस्ट से यहां के होटल, दुकान सभी को व्यापार मिलता है। बंद के कारण सभी को नुकसान हुआ है। हरीश केडिया ने बताया कि मंगलवार को हम व्यापारियों की पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ मीटिंग हुई। हमने तब भी बंद नहीं करने का आग्रह किया था। लेकिन सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमें दुकानें बंद करने को कहा गया। इस बंद में व्यापारियों का समर्थन नहीं था, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी।

स्टॉक खत्म नही हुआ सब्जियों का

भारत बंद का असर एशिया की सबसे बड़ी फल सब्जी मंडी मुहाना में भी देखने को मिला। आम दिनों की अपेक्षा आज मंडी में 40% व्यापार प्रभावित हुए। थोक फल सब्जी मंडी विक्रेता संघ के कार्यकारी अध्यक्ष योगेश तंवर ने बताया कि मंडी में व्यापारी रात से ही कम आए। सब्जियां बहुत आई, लेकिन उनके खरीदार नहीं आए। कुछ लोकल ग्राहक सुबह सुबह आए, लेकिन बाजार बंद होने के कारण ज्यादा सब्जियां लेकर नही गए। इससे मंडी में कई क्विंटल हरी सब्जियां खराब हो गई। सब्जियों के दाम 25 से 30% तक कमी की गई, लेकिन सब्जियों का स्टॉक खत्म नही हुआ।

पुलिस ने पकड़ा जखीरा

बाप-बेटे छाप रहे थे नकली नोट, घर में ही लगा रखा था कारखाना

बेधड़क | जयपुर

बगरू थाना पुलिस ने बुधवार को जाली नोट छापने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर आरोपियों से आठ लाख 94 हजार रुपए के 500-500 रुपए के जाली नोट जब्त किए हैं। उनके पास से पुलिस ने दो प्रिंटर और दो पेपर कटर भी जब्त किए हैं। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने घर में नोट छापने के उपकरण लगा रखे थे। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने जाली नोट छापने वाले प्रेम सैनी (45) निवासी झोटवाड़ा जयपुर और सुरेन्द्र सिंह (50) व उसके पुत्र शिवम सिंह (24) निवासी खिरणी फाटक रोड झोटवाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने घर पर ही छापने के कारखाना लगा रखा था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 लाख 94 हजार रुपए के 500-500 रुपए के जाली नोट सहित दो प्रिंटर और दो पेपर कटर भी जब्त किए हैं।

ऑपरेशन दुष्टदमन में गंगानगर से दबोचा

कांस्टेबल ही निकला SI पेपर लीक का माफिया

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में होने वाली भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करने वाले माफिया अब आईजी विकास कुमार की साईक्लोनर टीम की राडार पर आ गए है। साईक्लोनर टीम ने हैदराबाद में रैकी करने के बाद गंगानगर में छीपे शातिर माफिया शैतानाराम को दबोच लिया और उसको एसओजी को सौंप दिया।

आरोपी शैतानाराम पर दो माह पहले एसओजी ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी शैतानाराम वर्ष 2015 में कांस्टेबल के पद पर भर्ती हुआ था। इस दौरान वह जोधपुर में सीएसटी टीम में रहा। पोस्टिंग के दौरान शैतानाराम पेपर लीक माफियाओं के संपर्क में आ गया और माफियाओं तक सूचनाएं पहुंचाने के साथ में पेपर भी लेकर अभ्यार्थियों तक पहुंचाने लगा। कर्मचारी चयन बोर्ड और आरपीएससी द्वारा आयोजित तीन भर्ती परीक्षाओं के पेपर आरोपी शैतानाराम ने 50 से ज्यादा अभ्यार्थियों को पढ़ाए थे। आरोपी हैदराबाद व गंगानगर में फरारी काट रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी के साथ अन्य बदमाश भी फरारी काट रहे थे। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले गायब हो गए। आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए दुष्टदमन ऑपरेशन चलाया गया था। आरोपी के हैदराबाद में होने के इनपुट मिले थे। ऐसे में टीम ने दस दिन तक हैदराबाद में आरोपी की तलाश की। आरोपी के गंगानगर आ जाने की भनक लगी तो टीम मौके पर पहुंची और उसको गिरफ्तार कर लिया।

गोविंद देवजी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

कृष्ण और राधा रानी के स्वरूप सरकारों ने दी ठाकुर के हाजिरी

बेधड़क | जयपुर

आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में मनाए जा रहे कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में बुधवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह श्री राधा गोविंद प्रभातफेरी मंडल की ओर से भजन संकीर्तन किया गया। कृष्ण और राधा रानी के स्वरूप सरकारों ने ठाकुर जी के समक्ष नृत्य कर हाजिरी दी। कई बच्चे नटखट कान्हा के वेश में आए। शाम को आलोक भट्ट ने साथी कलाकारों के साथ कृष्ण भजनों की स्वर लहरियां बिखर कर माहौल को कृष्णमय बना दिया। श्री राधा गोविंद प्रभातफेरी मंडल के सदस्यों ने गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी और श्री सरस निकुंज के प्रवीण बड़े भैया का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। गोविंद देवजी मंदिर की ओर से सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

दो दर्जन कलाकारों ने दी गायन वादन की प्रस्तुतियां

गोविंद देव जी मंदिर में सांयकालीन वेला में हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत बुधवार को पं. आलोक भट्ट के संगीत निर्देशन में कृष्ण भक्ति के रंगारंग कार्यक्रम हुए। दो दर्जन से अधिक कलाकारों ने ठाकुर जी के दरबार में गायन और वादन की प्रस्तुति दी। पं. आलोक भट्ट ने मैं तो गिरधर आगे नाचूंगी और जै जै राधारमण हरि बोल के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। शिवनन्दन सिंह ने सांवरिया थारा घुंघरवाला बाल, गार्गी बनर्जी ने मुरली तेरी रस से भरी , संजय माहेश्वरी ने श्रीचरणों का ध्यान लगाऊं राधा, दीपशिखा जैन ने कानूड़ो नी जाणे म्हारी प्रीत, अंकित भट्ट ने गिरधर तू नंदलाल कन्हैया, गौरव जैन ने राधा राधा करते कान्हा, काजल ने कानूड़ा प्यारा कैसे लिखूं शुभ पतरी , कमलकांत कौशिक ने वृन्दावन जाने को जी चाहता है, बृजेश व्यास ने गोविन्द महिमा जग में अपार,रुद्राक्ष अग्रवाल ने कृष्णमय है ये जग सारा,.. भजन सुनाए। इसके बाद समवेत स्वर में बधाई गान हुआ।

रविवार को छांवण में प्रवेश पर रोक

जयपुर। ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देव जी में जन्माष्टमी महोत्सव 26 अगस्त को मनाया जाएगा। एक दिन पूर्व रविवार को मंदिर छांवण में दर्शनार्थियों की सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेटिंग व्यवस्था को पूर्ण स्वरुप सुनिश्चित किया जाएगा। ऐसे में रविवार को दर्शनार्थियों का मंदिर छांवण में प्रवेश निषेध रहेगा। पुलिस प्रशासन ने रविवार दर्शन की व्यवस्था में बदलाव किया है। दर्शनार्थियों का प्रवेश जलेब चौक से होते हुए मंदिर मुख्य द्वार से मंदिर परिसर में छांवण के बाहर बने रैंप से होगा। यहां दर्शनार्थी दर्शन लाभ प्राप्त करेंगे। दर्शन के बाद दर्शनार्थी सत्संग भवन से होते हुए पुन: रैंप के नीचे से दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए मंदिर परिसर से निकास करेंगे। ब्रह्मपुरी, कंवर नगर से आने वाले दर्शनार्थियों का प्रवेश जलेब चौक से होगा। जय निवास बाग एवं बादल महल से प्रवेश निषेध रहेगा। दर्शनार्थियों का मंदिर छांवण में प्रवेश निषेध होने के कारण जूते-चप्पल खोलने की व्यवस्था नहीं होगी।

जिन्होंने टैगोर के नाटक मंचित कर दिखाए

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आधुनिक बांग्ला नाट्य मंच में शंभू मित्रा की पहचान शीर्षस्थ नाटककार, अभिनेता और निर्देशक के रूप में है। उनकी पूरी ज़िंदगी नाटक के लिए समर्पित रही। उन्होंने न सिर्फ़ नाटकों में अभिनय-निर्देशन किया, बल्कि फ़िल्मों में भी अपने आप को आज़माया और यहां भी कामयाब साबित हुए। रंगमंच के हर महकमे पर उनकी अच्छी पकड़ थी। मंच सज्जा, प्रकाश-व्यवस्था और पात्रों की वेशभूषा हर क्षेत्र में शंभू मित्रा की गहरी दिलचस्पी थी। रबीन्द्रनाथ टैगोर के नाटकों को एक अलहदा शैली में मंचित करने से शंभू मित्रा को ख़ूब मक़बूलियत मिली। उनका नाटक 'रक्तकरबी' बंगाल ही नहीं, पूरे देश में पसंद किया गया। वह एक रंग चिंतक भी थे। उनके तमाम लेखन में उनका रंगचिंतन और रंग-दृष्टि दिखाई देती है। उनका रंग-चिंतन किसी ख़ास दिशा में झुका हुआ नहीं है, वे नाटक के सभी तत्वों को साथ लेकर चलने के हिमायती थे। शंभू मित्रा, विश्व रंगमंच के ग़ंभीर अध्येता रहे। उन्होंने कई मशहूर कृतियों का बांग्ला में नाट्य-रूपांतर किया। उनकी आवाज़ बेहद प्रभावशाली थी। वह जब रबीन्द्रनाथ टैगोर की कविता 'मधुवंशी की गली' का पाठ करते, तो अवाम आंदोलित हो जाती थी।

22 अगस्त, 1915 को कोलकाता में पैदा हुए शंभू मित्रा की बचपन से ही नाटक में दिलचस्पी थी। सेंट जैवियर्स कॉलेज में अध्ययन के दौरान वह रेगुलर ड्रामे करते रहे। बांग्ला नाट्य मंच के चर्चित नाटककार शिशिर कुमार भादुड़ी के नाटक और अभिनय ने उन्हें काफ़ी प्रभावित किया। चौबीस साल की उम्र में ही शंभू मित्रा एक नाट्य ग्रुप 'रंगमंडल मंच' में शामिल हो गए। यहां उन्होंने 'रत्नदीप' और 'घुरनी' में अदाकारी की, तो विधायक भट्टाचार्य का लिखा नाटक 'माला राय' का निर्देशन भी किया। 'रंगमंडल मंच' के बंद होने के बाद, कुछ दिन 'मिनर्वा' में काम किया। एक दिन ऐसा भी आया, जब उन्हें शिशिर कुमार भादुड़ी के साथ नाटक करने का मौक़ा मिला। उनके निर्देशन में शंभू मित्रा ने 'सीता' और 'आलमगीर' में अदाकारी की। नाटक के अहम किरदार तक आने में उन्हें थोड़ा वक़्त लगा। 'ए डॉक्टर' वह नाटक था, जिसमें उन्हें मुख्य किरदार मिला। इस नाटक में अभिनय के बाद, उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक के बाद एक 'नवाब', 'छेड़ा तार', 'टूटा हुआ तार', 'दश चक्र', 'राजा इडिपस', 'रक्तकरबी' 'श्रीविष्णुप्रिया' और 'दिग्विजय' आदि नाटकों में शानदार रोल किए।

> साल 1943 में जब इप्टा का गठन हुआ, तो बिजॉन भट्टाचार्य और बिनय राय के साथ वह भी इसमें शामिल हो गए। यह वह दौर था, जब इप्टा देश के सभी बड़े लेखकों, कलाकारों और रंगकर्मियों की धुरी बना हुआ था। इप्टा से जुड़े संस्कृतिकर्मी अपने रंगकर्म से अवाम को आंदोलित कर रहे थे। जब बंगाल में बीसवीं सदी का भयंकर अकाल पड़ा, तो इप्टा भी अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया।

शंभू मित्रा ने कुछ साल टूरिंग थिएटर भी किया। पश्चिम बंगाल के दूर-दराज़ के गॉंवों में घूमे। ग्राम्य जीवन को नज़दीकता से देखा। इसी दरमियान उन्होंने न सिर्फ़ 'आगुन', 'लेबोरेटरी' और 'होम्योपैथी' नाटक लिखे, बल्कि उनका मंचन भी किया। साल 1943 में जब इप्टा का गठन हुआ, तो बिजॉन भट्टाचार्य और बिनय राय के साथ वह भी इसमें शामिल हो गए। यह वह दौर था, जब इप्टा देश के सभी बड़े लेखकों, कलाकारों और रंगकर्मियों की धुरी बना हुआ था। इप्टा से जुड़े संस्कृतिकर्मी अपने रंगकर्म से अवाम को आंदोलित कर रहे थे। जब बंगाल में बीसवीं सदी का भयंकर अकाल पड़ा, तो इप्टा भी अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया। इप्टा से जुड़े रंगकर्मियों ने पूरे देश में नाट्य प्रदर्शन के ज़रिए चंदा इकट्ठा किया। उन्होंने उस वक़्त जो नाटक किए, वे हैं बिजॉन भट्टाचार्य का लिखा 'नबान्न' और 'जबानबंदी'। 'नबान्न' से न सिर्फ़ शंभू मित्रा को एक नई पहचान मिली, बल्कि बांग्ला नाट्य मंच को भी नई दिशा मिली। 'नबान्न' में उन्होंने अदाकारी के साथ-साथ इसका निर्देशन भी किया। पूरे देश में आम और ख़ास सभी ने नाटक को ख़ूब पसंद किया। अपनी पहली ही प्रस्तुति में शंभू मित्रा ने एक नया इतिहास रचा। शिशिर कुमार भादुड़ी जिनके लिए शंभू मित्रा के दिल में बहुत इज़्ज़त थी, उन्होंने नाटक देखने के बाद कहा, ''मैं जो सारा जीवन नहीं कर पाया, उसे शंभू मित्रा ने कर दिखाया।'' यह शंभू मित्रा के लिए वाक़ई एक बड़ी उपलब्धि थी। जिन्हें रंगमंच में वे अपना आदर्श मानते थे, उन्होंने उनके काम को सराहा। उनकी तारीफ़ की। शंभू मित्रा जब तक इप्टा में रहे, उन्होंने इस संस्था से काफ़ी लोगों को जोड़ा। साल 1948 में शंभू मित्रा कुछ मतभेदों के चलते, इप्टा से अलग हो गए और उन्होंने अपनी पत्नी तृप्ति मित्रा के साथ नाट्य संस्था 'बहुरूपी' बना ली। यह संस्था भी इप्टा के नक़्शे-क़दम पर चली। वह इप्टा से अलग भले ही हो गए, मगर उसकी विचारधारा से हमेशा जुड़े रहे। 'बहुरूपी' के बैनर पर ही उन्होंने 'पथिक', 'चार अध्याय', 'दशचक्र', 'मुक्तधारा', 'कंचनरंग', राजा इडिपस' और 'पुतुल खेला' जैसे नाटक मंचन किए। साल 1973 में शंभू मित्रा ने 'बहुरूपी' संस्था से भी किनारा कर लिया। लेकिन इन पच्चीस सालों में उन्होंने कई चर्चित नाटकों का मंचन किया। जिसमें भी सबसे अहम था, गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर के नाटकों का मंचन। टैगोर के नाटकों का मंचन हो सकता है, यह किसी ने ख़्वाब में भी नहीं सोचा था। शंभू मित्रा ने इसे चुनौती के तौर पर लिया और पहले नाटक 'चार अध्याय' (साल-1951) उसके बाद 'रक्तकर्बी' (साल-1954) का सफल मंचन किया। यह नाटक इस क़दर कामयाब हुए कि लोग रात-रात भर लाइन लगाकर, नाटक के टिकिट ख़रीदते थे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

क्रीमीलेयर पर एससी-एसटी वर्ग में उबाल

हकदार छूटे नहीं...धापे हुए को मिले नहीं

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

> सिर्फ आरक्षण की सुरक्षा चाहिए क्योंकि जिस आधार पर आरक्षण दिया गया, वे कारक अब भी कायम हैं। इस बात में सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन साल में जितना सुधार हुआ है, उस हिसाब से तो आरक्षण को तर्कसंगत बनाने पर चर्चा होनी चाहिए। कम से कम इन वर्गों के भीतर ही जो वंचित हैं, उन तक भी इसका लाभ पहुंचे। बस इस फैसले पर निशाने पर केंद्र सरकार आ गई।

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद आरक्षण का 'मुद्दा' एक बार फिर भारतीय राजनीति का केंद्र बिंदु बन गया है। इस मसले को लेकर एसटी-एससी वर्ग के विभिन्न संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया था। हालांकि छुटपुट घटनाओं को छोड़कर बंद शांतिपूर्ण रहा। सवाल यह है कि देश की सुप्रीम अदालत के फैसले का आखिर विरोध हो क्यों रहा है? देश की शीर्ष अदालत ने एससी-एसटी आरक्षण के उप विभाजन की राज्यों को इजाजत दी थी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एससी-एसटी आरक्षण में ओबीसी की तरह क्रीमीलेयर का प्रावधान भी किया जा सकता है। जब से यह फैसला आया है, इन वर्गों में गहरा आक्रोश है। वे इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार पर हमलावर हैं। विरोध करने वाले इस बात को नहीं देख रहे कि यह फैसला देश की सर्वोच्च अदालत ने दिया है। लगता है कि कोई इस पर खुलकर मंथन भी करना नहीं चाहता।

सिर्फ आरक्षण की सुरक्षा चाहिए क्योंकि जिस आधार पर आरक्षण दिया गया, वे कारक अब भी कायम हैं। इस बात में सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन 77 साल में जितना सुधार हुआ है, उस हिसाब से तो आरक्षण को तर्कसंगत बनाने पर चर्चा होनी चाहिए। कम से कम इन वर्गों के भीतर ही जो वंचित हैं, उन तक भी इसका लाभ पहुंचे। बस इस फैसले पर निशाने पर केंद्र सरकार आ गई। यही बात लेटरल एंट्री यानी किसी प्रतियोगी परीक्षा के बिना नौकरीशाही के उच्च पदों पर सीधी भर्ती के मामले में देखने को मिली। केंद्र सरकार के इस कदम के सामने आते ही विरोध शुरू हो गया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल विरोध में उतर आए। तर्क था सरकार एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनना चाहती है। पहले विपक्षी दलों ने विरोध किया। बाद में राजग में भी विरोध के सुर मुखर होने लग गए। इसमें लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान और जदयू सबसे आगे रहे। दोनों ही पार्टियां बिहार से हैं, जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। विरोध के सुर मुखर हुए तो पीएम मोदी या कहें भाजपा नेतृत्व ने हवा में तैरती विरोध की इस इबारत को पढ़ लिया और कदम पीछे खींचने में कोई देरी नहीं की। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएसपी अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर इस भर्ती के विज्ञापन को निरस्त करने के लिए कहा। साफ है सरकार आरक्षण के मुद्दे पर किसी भी तरह के विरोध का सामना करने को तैयार नहीं है। क्योंकि वह लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे से हुए नफा-नुकसान को जान चुकी है। ऐसे में जब चार राज्यों में विधानसभा चुनाव सन्निकट हैं, वह कोई सियासी जोखिम नहीं उठाना चाहती। वह इसके नतीजों को जानती है।

कहावत भी है, दूध का जला छाछ को भी फूंक फूंक कर पीता है। भाजपा के साथ भी कुछ ऐसा ही है। लोकसभा चुनाव में लगे झटके के बाद वह आरक्षण के मुद्दे पर एससी-एसटी को वर्ग को नाराज नहीं करना चाहती। जिन चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें से दो राज्यों हरियाणा और केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में चुनाव तिथियों की घोषणा हो चुकी है, जबकि महाराष्ट्र और झारखंड में तिथियों की घोषणा होनी शेष है। अगले साल बिहार व दिल्ली में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। यानी चुनाव हैं तो आरक्षण का मुद्दा भी गरम है।

लेटरल एंट्री के मुद्दे पर सरकार के कदम वापस खींचने के बाद आई विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया को देखलें। यह बात साफ हो जाएगी। हर कोई शाबाशी वे अपने खाते में ही रखना चाहता है। सरकार के इस कदम से गदगद कांग्रेस नेताओं ने भी कहा कि उनके विरोध के चलते ही सरकार को यह कदम वापस खींचना पड़ा हैं। लेकिन यहां सवाल यह भी उठता है कि क्या आरक्षण के कुछ पहलुओं पर गहन मंथन और चर्चा नहीं होनी चाहिए?

सवाल आरक्षण खत्म करने का नहीं, इसको अधिक तर्कसंगत और बहुउपयोगी बनाने का होना चाहिए। चर्चा इस पर हो कि कैसे इसे और अधिक तार्किक और कमजोर वर्ग के हितों के अनुकूल बनाया जा सकता है। राजस्थान में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की इस मुद्दे पर टिप्पणी गौर करने लायक है। वह कहते हैं, भारत बंद की कोई आवश्यकता नहीं है। बंद कराने वाले राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ऑब्जर्वेशन दिया है। क्रीमीलेयर को लेकर जो फैसला दिया है, उसका सम्मान होना चाहिए। उनका संकेत साफ है कि आरक्षित वर्ग में भी कुछ लोग बहुत आगे निकल चुके हैं, इसलिए इन वर्गों में जो पीछे छूट गए हैं, उनको हक और अधिकार मिले। सच तो यह है कि यह अधिकार किस तरह मिले उस पर मंथन होना चाहिए और रास्ता निकाला जाना चाहिए। इसी प्रकार बिहार के एक नेता और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने भी एससी में उप वर्गीकरण की हिमायत की। उनका बिहार को लेकर कहना है कि केवल चार पांच जातियों से ही आईएएस, आईपीएस, इंजीनियर और अधिकारी बन रहे हैं, लेकिन अन्य जातियों को इसका फायदा नहीं मिल रहा। वहीं, बुधवार को आयोजित बंद पर भी इन्हीं वर्गों की कुछ जातियों ने असहमति जताई थी। इसलिए सवाल यह भी उठता है कि क्या यह बात सही मान ली जाए कि आरक्षण के वर्गीकरण या क्रीमीलेयर के मामले में राजनीतिक रोटियां सेकी जा रही हैं? इस पर मत भिन्नता हो सकती है। ओबीसी आरक्षण को लेकर भी यह मत भिन्नता है। इसमें भी कुछ जातियां बहुत समर्थ हैं और कुछ बहुत पीछे हैं। इसलिए प्रयास होना चाहिए कि आरक्षण हकदार को ही मिले और यह पहल आरक्षित वर्ग में आगे निकल चुके लोग ही करें तो ज्यादा कारगर हो सकती है। एससी- एसटी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण भी है और वहां पर भी कुछ परिवार राजनीतिक रूप से आगे आ गए हैं। वे भी अपना राजनीतिक वर्चस्व छोड़ना नहीं चाहते। इसलिए आरक्षण को तर्कसंगत बनाना आसान नहीं है। वोटों के बादशाह यह रास्ता रोक लेंगे।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को आरक्षण के मुद्दे पर ही विपक्ष के हाथों गहरी चोट खानी पड़ी थी और अब विधानसभा चुनाव में हरियाणा और महाराष्ट्र में उसकी सरकार दांव पर हैं। अब किसी राज्य खासकर किसी बड़े राज्य के हाथ से निकल जाने का अर्थ है कि आने वाले दिनों में राज्यसभा में ताकत कम होना। इसलिए भाजपा ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहेगी कि उसे सियासी चोट पहुंचे। तभी तो जब क्रीमीलेयर के मुद्दे पर एसटी-एससी के सांसद पीएम मोदी से मिलने पहुंचे तो उन्होंने तत्काल कह दिया कि आरक्षण संविधान के प्रावधानों के अनुसार ही जारी रहेगा। वहीं, राहुल गांधी अब आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को ही समाप्त किए जाने की हिमायत कर रहे हैं। जितनी आबादी, उतना आरक्षण...उतना हक। उनकी यह बात देखने सुनने में तो बहुत आकर्षक लगती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति यह है कि कुछ तबके संख्या में कम होते हुए भी बहुत समृद्ध हैं और कुछ वर्ग संख्यात्मक दृष्टि से बड़े होते हुए भी बहुत पिछड़े हैं। इसमें संतुलन बैठाना जरूरी है। हकदार छूटे नहीं और पहले से ही धाये-धपाये को कुछ मिले नहीं। अब मंथन चिंतन इसी पर होना चाहिए। आरक्षण वोटों का बादशाह बनने की डगर नहीं,सामाजिक उन्नयन की सीढ़ी बने, तभी सार्थक है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

जागो- जागो, अभी नहीं तो कभी नहीं

आशीष सकलेचा
व्यंग्य

जब किसी एक का वास्तविक हक छिना जाता है तो उतना बबाल नही मचता है जितना किसी संगठन, समुदाय आदि का हक छीने जाने पर मचता है । सामुहिक रुप से हक छिने जाने पर आक्रोश आना तो स्वाभाविक है। इसके प्रतिकार या विरोध स्वरुप धरना प्रदर्शन, चक्काजाम, ज्ञापन, रैली,आंदोलन होना तो लाजमी है, पर यह जब तक ही सही है जब वास्तविक रुप मे उनका हक छिना जा रहा हो। यहा तो आलम यह है की जब जिसका मन चाहे तब अपने हक, मांगो (चाहे वह गैर वाजिब हो) के लिए सड़क पर उतर जाते है और गैर प्रजातांत्रिक तरीकों से आक्रोश व्यक्त करते है जैसे- तोड़फोड, आगजनी, ट्रेन को रोकना , सार्वजनिक सम्पति को नुकसान पहुंचा कर। इन सबसे भिन्न एक समुदाय है जिसने अपने तमाम हको को छिने जाने के बाद भी कभी चु तक नही करा है। उनके द्वारा कभी किसी तरह के कोई भी कदम उठाने की खबर न तो पढ़ी है और नही सुनी है। इन्होने तो अब तक न कोई मीटिंग की न कोई नाराजगी व्यक्त की न कोई किसी भी तरह का उग्र प्रदर्शन किया।ऐसे समुदाय का जितना भी शुक्रिया अदा करे उतना कम है। इनके धैर्य व संयम को तो इक्कीस तोपों की सलामी ।

पशु- पक्षियों, जीव- जंतुओं के जो उनके अपने जन्मजात हक है उनको वर्तमान समय के सफेद पोशो ने छिन लिया है । अपना हक छिने जाने से यह तबका सामुदायिक रुप से अपने आप को ठगा हुआ महसुस कर रहा है । अब बात करते है उस समुदाय के कौन - कौन से हक किस - किस तरह से हमारे देश के महान सफेद पोशो ने छिने है।

रंग बदलने का हक सिर्फ और सिर्फ गिरगिट का है, परंतु अब सफेद पोश रंग बदल रहे है । डसने का व जहर उगलने का हक सांप का है, परंतु अब सफेद पोश डस रहे है और जहर उगल रहे है। बिल (घर) बदलने का हक चुहो का है, परंतु सफेद पोश रोज पार्टी बदल रहे है। कौवे की करकश आवाज पर भी सफेद पोशो ने कब्जा कर लिया है। लोमड़ी अपनी चतुराई के लिए विशेष रुप से जानी- पहचानी जाती है, परंतु अब सफद पोशो ने अपनी चतुराई से उसकी यह पहचान भी छिनली है। बिल्ली की विशेषता है की वह उसकी निगाह से लक्ष्य साध लेती है, परंतु उसकी इस विशेषता पर सफेद पोशो ने अपनी छाप लगा दि है ,वे भी अपनी निगाह को अपने प्रमुख लक्ष्य कुर्सी को साधने लगाए रखते है। इन सबके बाद एक बात और है की इनके अपने स्वयं के मुहावरो को इनकी बिना अनुमति के तीसरे पक्ष द्वारा सफेद पोशो पर व्यंग्य करने मे उपयोग मे लिए जा रहे है जैसे-

"सौ चुहे खा कर बिल्ली हज को चली।"
"खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे।"
"अब आया ऊट पहाड़ के नीचे।"
"ऊट के मुंह मे जीरा।"
"धोबी का कुत्ता घर का न घाट का।ट
" आ बेल मुझे मार।"
" कुत्ते की पुछ टेढ़ी ही रहती है।"
" पानी मे रह कर मगरमच्छ से बैर करना।"

यह एक तरह से इस समुदाय का घोर अपमान है। इस समुदाय को चाहिए की अब हाथ पर हाथ धरे न बैठे, क्योंकि चुप बैठने से कुछ हासिल होने वाला नही है।इनको जल्द ही एक मीटिंग कर अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ना चाहिए । "जागे - जागो, अभी नही तो कभी नही।" रायचंद बन कर मुफ्त मे इनको सलाह देना चाहता हु ,पर डरता हु कही इनको उकसाने, भड़का ने का आरोप मुझ पर न लग जाए।

क्या नासा से बेहतर है अपना 'इसरो' ?

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी 'इसरो' जहां एक ओर चंद्र मिशन की तैयारी में है। इसरो वर्ष 2028 में चंद्रयान-4 मिशन को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ' नासा' ने अपने महत्वकांक्षी चंद्र मिशन को फिलहाल रद्द कर दिया है। इसके पीछे कारण क्या हैं ?

भारत अपने चंद्र मिशन 'चंद्रयान-4' के तहत जहां चंद्रमा की चट्टानों और वहां की मिट्टी को इकट्ठा करके उन्हें वापस धरती पर लाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा ' ने इस बात को लेकर संपूर्ण विश्व को चौंकाया है कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ और अन्य संसाधनों की खोज के लिए प्रस्तावित आर्टेमिस चंद्र रोवर (वीआईपीईआर) मिशन पर नासा लगभग 450 मिलियन डॉलर (37 हजार 650 करोड़ रुपए) खर्च कर चुका है और कुल लागत 610 मिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि वास्तव में एक बहुत बड़ी धनराशि है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वीआईपीईआर को पहले वर्ष 2023 में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन वर्ष 2022 में नासा ने इसे वर्ष 2024 के अंत तक टाल दिया, ताकि ग्रिफिन

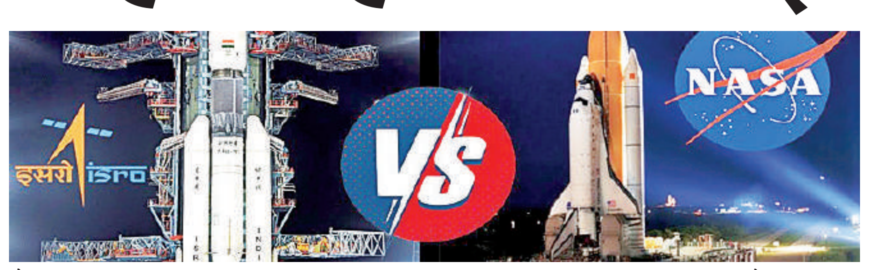

लैंडर वीकल के प्री-फ्लाइट टेस्ट के लिए ज्यादा समय मिल सके। इसके बाद लॉन्चिंग की तारीख वर्ष 2025 तक बढ़ाई गई और अब इसे रद्द करना पड़ा है। अनुमान के मुताबिक मिशन के पूर्ण होने तक इसकी लागत 609.6 मिलियन डॉलर (50, 950 करोड़ रुपए) तक पहुंच जाती। बहरहाल, यदि हम यहां बजट की बात करें तो वित्तीय वर्ष 2023 और 2024 के लिए नासा का बजट क्रमशः 25.4 बिलियन डालर तथा वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 24.875 बिलियन डालर है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि वित्त वर्ष 2024 का बजट पिछले वर्ष के बजट से 2% कम है। बिडेन प्रशासन ने 2024 के वित्तीय वर्ष के लिए 27.2 डालर बिलियन का बजट प्रस्तावित किया था, जो 2023 की तुलना में 7.1% अधिक है। वहीं दूसरी ओर इस साल फरवरी में घोषित अंतरिम बजट में भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिक्ष विभाग को 13,042.75 करोड़ रुपये आवंटित किए। यह पिछले वर्ष के बजट से 498.84 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, यहां यह बात उल्लेखनीय है कि 'इसरो' के पास 'नासा' या विश्व की बाकी अन्य एजेंसियों की तरह ढेर सारे संसाधन और बहुत बड़ा बजट उपलब्ध नहीं है, लेकिन सीमित बजट में ही प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, तकनीकी, लगातार मेहनत से हमारा इसरो अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर रहा है। कम बजट में भी बेहतरीन परिणाम इसरो के वैज्ञानिक देते रहे हैं और इस वजह से इसरो पूरी दुनिया के लिए उदाहरण बन गया है। हालांकि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विकासशील देश की दृष्टि से इसरो के लिए सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है, लेकिन विकसित देश अमेरिका की तुलना में हमारे देश का स्पेस बजट कम ही है। जिस प्रकार से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने अपने चंद्र मिशन को रद्द किया है, उससे यह प्रतीत होता है कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फंड की किल्लत का सामना कर रही है। न सिर्फ उसका बजट घटता जा रहा है।

उसे अपने स्पेस प्रोग्रामों के लिए जितना पैसा चाहिए वह भी नहीं मिल पा रहा है। एक जानकारी के अनुसार नासा ने वित्त वर्ष 2024 (अक्टूबर 2023 - सितंबर 2024) में अपने सभी मिशन, स्पेस एक्सप्लोरेशन और ऑपरेशन के लिए लगभग 27 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। लेकिन, इसके मुकाबले उसे लगभग 9% कम रकम मिली। पिछले वर्ष की तुलना में यह 2% कम थी। अब वित्त वर्ष 2025 के लिए उसने जो बजट अनुरोध रखा है, वह पिछले साल की मांग से 2 अरब डॉलर कम है।

राज्यवर्धन सिंह राठौर, मंत्री
@Ra_THORe
52 दिनों तक चली 5.12 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों की बाबा अमरनाथ जी की पवित्र यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस यात्रा को सफल बनाने के लिए हमारे सभी सुरक्षाकर्मियों, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। महादेव की कृपा हम सब पर सदैव बनी रहे।

दिल्ली से अपने गृह राज्य झारखंड लौटते ही चंपई सोरेन ने संन्यास के विकल्प को किया बंद... दिया आगे की रणनीति का संकेत

नई पार्टी बना सकते हैं...अच्छा दोस्त मिले तो साथ भी चल सकते हैं: चंपई

एजेंसी | रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता चंपई सोरेन ने कहा है कि वे राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए राजनीति में रहना जरूरी है। उन्होंने इशारों ही इशारों में नई पार्टी बनाने का संकेत भी दिया है। उन्होंने बुधवार शाम को पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम नया संगठन भी बना सकते हैं और अगर रास्ते में कोई अच्छा दोस्त मिला तो दोस्ती करके आगे बढ़ेंगे और समाज और राज्य की सेवा करूंगा। उन्होने कहा कि झारखंड की जनता का स्नेह और आग्रह के मद्देनजर उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने के अपने पहले के निर्णय को त्याग दिया है।

चंपई सोरेन मंगलवार देर रात दिल्ली से हवाई मार्ग से कोलकाता पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से सरायकेला जिले के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत जिलिंगगोडा स्थित आवास पहुंचे। आवास पर स्वागत में देर रात तक समर्थक और कार्यकर्ता डटे रहे। बाद में चंपई सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के बाद 3 जुलाई को ही उन्होंने स्थिति को स्पष्ट कर दिया था, जिस पर वह आज भी कायम हैं। बुधवार सुबह से उनके जीलिंगगोडा आवास पर जुटी कार्यकर्ताओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को एडी चोटी को जोर लगाना पड़ा।

इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चंपई ने कहा,तीन विकल्प मेरे पास मौजूद थे, जिसमें राजनीति से संन्यास लेना संभव नहीं है। राज्य की जनता और कार्यकर्ताओं के आग्रह पर सक्रिय राजनीति में बने रहना है। उन्होंने कहा कि अब उनके सामने दो विकल्प हैं कि किसी साथी (पार्टी) के साथ आगे बढ़ें या नए सिरे से संगठन बनाकर जनता की सेवा करें। चंपाई ने फिर कहा कि उनका घोर अपमान हुआ है, जिसे बयां करना मुश्किल है। अपने आवास से निकल कर चंपई सोरेन महुलडीह स्थित कार्यालय भी गए, जहां कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

BJP में जाने पर न तो हां और ना ही इनकार

ज्ञात रहे कि बीते कुछ दिनों से चंपई सोरेन के भाजपा में जाने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि, उन्होंने न तो इसे स्वीकार किया है और ना ही इनकार किया है। मंगलवार देर रात उन्होंने कहा कि वह अभी तक किसी भी भाजपा नेता से नहीं मिले हैं और यह सारी बात अफवाह है। अब देखना दिलचस्प होगा कि विधानसभा चुनाव से पहले चंपई की राजनीति किस करवट बैठती है। इससे पहले चंपई सोरेन 18 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा था, पिछले दिनों से हो रहे अपमानजनक व्यवहार से भावुक होकर मैं आंसुओं को संभालने में लगा था, लेकिन उन्हें सिर्फ कुर्सी से मतलब था। उन्होंने आगे लिखा, मुझे ऐसा लगा, मानो उस पार्टी में मेरा कोई वजूद ही नहीं है, कोई अस्तित्व ही नहीं है, जिस पार्टी के लिए हम ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

सैलजा हरियाणा से विस चुनाव लड़ने की इच्छुक

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। करनाल में कांग्रेस की संदेश यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि पहले भी उनकी इच्छा विधानसभा चुनाव लड़ने की थी और अब भी है। आखिरी फैसला हाईकमान करेगा। जब उनसे पूछा गया कि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने बयान दिया है कि अगर रणदीप सुरजेवाला और कुमारी सैलजा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। इस पर सैलजा ने कहा कि यह सब पार्टी हाईकमान तय करती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के टिकटों का वितरण जल्द हो जाएगा। स्क्रीनिंग कमेटी जल्द नाम तय करके केंद्रीय चुनाव कमेटी के पास भेज देगी। संदेश यात्रा में शैलजा के साथ सांसद रणदीप सुरजेवाला भी मौजूद रहे।

सरकारी भर्ती मामले में कांग्रेस की आपत्ति खारिज

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों की भर्ती के लिए दिया गया विज्ञापन आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है क्योंकि यह भर्ती प्रक्रिया राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले शुरू हो गई थी। आयोग ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि उसने भर्ती प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई है, लेकिन राज्य सरकार से भर्ती के परिणाम चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद घोषित करने को कहा है। चुनाव आयोग ने कहा है कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उसे पत्र लिखकर कहा था कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सरकार ने नौकरियों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। आयोग ने कहा कि उसने इस संबंध में राज्य सरकार से जानकारी मांगी थी। राज्य सरकार ने बताया है कि यह भर्ती आचार संहिता लागू होने से पहले शुरू की गई थी।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव: श्रीनगर पहुंचे खरगे व राहुल गांधी

कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस में गठबंधन की तैयारी, मंत्रणा आज

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में चुनावी माहौल के बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बुधवार को जम्मू-कश्मीर के अपने दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए श्रीनगर पहुंचे। बुधवार को भारत बंद के कारण दोनों वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के कार्यक्रम में फेरबदल करना पड़ा।

पहले वे जम्मू से अपना दौरा शुरू करने वाले थे, लेकिन अब वे गुरुवार को जम्मू जाएंगे। दोनों नेता डल झील के किनारे स्थित होटल ललित पैलेस जाएंगे, जहां ठहरेंगे। होटल और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दोनों नेता पार्टी को मजबूत करने और जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने चुनावी अवसरों को बेहतर बनाने के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलेंगे।

भाजपा ने साधा निशाना

वहीं, राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर निशाना साधते हुए भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करने को कहा। भाजपा महासचिव व पार्टी के संगठनात्मक प्रभारी तरुण चुग ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा क्षेत्र में लाए गए शांति और विकास से परिचित कराएगी।

अब्दुल्ला परिवार से मुलाकात आज

यहां नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ चुनाव से पहले गठबंधन को अंतिम रूप देने के लिए दोनों नेता अब्दुल्ला परिवार से मुलाकात करेंगे। मुलाकात गुरुवार को होने की उम्मीद हैँअखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि दोनों नेता आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में महत्वपूर्ण बैठकों के लिए कश्मीर की यात्रा पर हैं। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस दोनों ही राष्ट्रीय स्तर पर पहले से ही विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला ने हाल ही में कहा था कि किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं होगा। लेकिन, सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी और खरगे नेशनल कॉन्द्राफ्रेंस द्वारा इस संबंध में कांग्रेस से संपर्क करने के बाद जम्मू-कश्मीर का दौरा कर रहे हैं।

भाजपा विरोधी दलों से हाथ मिलाने को तैयार: कर्रा

मंगलवार को जम्मू पहुंचे जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारी नीति बहुत स्पष्ट है। हम किसी भी पार्टी या व्यक्ति से हाथ मिलाने को तैयार हैं जो भाजपा और उसकी नीतियों के खिलाफ है। उन्होंने मीडिया से कहा, मेरी जानकारी के अनुसार नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पहले ही हमारे केंद्रीय नेताओं से संपर्क किया है। कांग्रेस किन संगठनों से हाथ मिलाने को तैयार है, इस सवाल पर कर्रा ने कहा, सभी समान विचारधारा वाली पार्टियां, चाहे वे जम्मू की हों या कश्मीर की। एकमात्र मानदंड यह है कि वे समान विचारधारा वाली होनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को लगा था झटका

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव पूर्व गठबंधन किया था। कांग्रेस ने जम्मू संभाग की दोनों लोकसभा सीटों और लद्दाख की एक सीट पर चुनाव लड़ा था, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कश्मीर की तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस तीनों सीटों पर हार गई, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दो सीटें जीतीं। कर्रा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें यह भी याद दिलाया कि जम्मू क्षेत्र जो कभी आतंकवाद से मुक्त था अब लगभग हर रोज आतंकवादी गतिविधियों की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा, केवल लक्ष्य बदल गया और आतंकवाद कश्मीर से जम्मू की ओर स्थानांतरित हो गया।

वोट के लिए रिश्वत की पेशकश का मामला

नायडू के खिलाफ CBI जांच की याचिकाएं खारिज

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने रिश्वत की कथित पेशकश के एक पुराने मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का निर्देश देने की मांग वाली एक रिट याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायाधीश एम एम सुंदरेश और न्यायाधीश अरविंद कुमार की पीठ ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक अल्ला रामकृष्ण रेड्डी की इस याचिका पर संबंधित पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद उस पर विचार करने से इनकार कर दिया। यह मामला 2015 में विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव में कथित तौर पर तेलुगू देशम पार्टी के पक्ष में वोट देने के लिए 50 लाख रुपये नकद देने की पेशकश का है। अल्ला रामकृष्ण रेड्डी ने इस पुराने मामले में मुख्यमंत्री नायडू के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने का निर्देश देने की मांग की थी। उन्होंने एक रिट याचिका दायर करने के अलावा इस मामले में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के नौ दिसंबर 2016 के फैसले को भी चुनौती थी। न्यायाधीश सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने दोनों याचिकाएं खारिज कर दीं। इसके बाद अदालत की अनुमति पर याचिकाकर्ता ने अपनी याचिकाएं को वापस ले ली।

यह था आरोप

आरोप है कि एमएलसी एल्विस स्टीफेंसन को एमएलसी चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी के पक्ष में वोट देने के लिए 50 लाख रुपए नकद देने की पेशकश की गई थी। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विधायक रेड्डी ने तब विशेष न्यायाधीश के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी और मामले में नायडू को आरोपी बनाने की मांग की थी। इस सनसनीखेज मामले को 2015 में 'कैश-फॉर-वोट' घोटाले के रूप में भी जाना जाता था। रेड्डी ने हैदराबाद में भ्रष्टाचार विरोधी शाखा की विशेष अदालत से शिकायत की थी कि 'कैश फॉर वोट घोटाले' में भ्रष्टाचार विरोधी शाखा की पहली रिपोर्ट में नायडू का नाम 22 बार आया था, लेकिन जांच एजेंसी ने उन्हें आरोपी के रूप में नामित नहीं किया।

एडीआर व नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में दावा

महिला उत्पीड़न मामलों में 51 MP व MLA आरोपी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इसमें पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे अधिक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (न्यूज) द्वारा बुधवार को जारी की गई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की। जिसके बाद महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों और 135 विधायकों को चिह्नित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है, जिसके बाद आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 सांसद-विधायक हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या तथा ठाणे में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

दो MP और 14 MLA के खिलाफ रेप के आरोप

रिपोर्ट के अनुसार, 16 मौजूदा सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत बलात्कार से संबंधित मामलों की जानकारी दी है, जिसके लिए न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इनमें से दो सांसद और 14 विधायक हैं। आरोपों में एक ही पीड़िता के खिलाफ बार-बार अपराध की घटनाएं भी शामिल हैं, जो इन मामलों की गंभीरता को और अधिक रेखांकित करता है।

सबसे अधिक दागी BJP के

राजनीतिक दलों में सबसे अधिक भाजपा के 54 सांसद और विधायक हैं, जिनके खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले हैं। इसके बाद कांग्रेस के 23 और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के 17 सांसद-विधायक हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही पांच-पांच मौजूदा सांसद-विधायक बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की दो टूक

जब तक मैं हूं, आरक्षण में बदलाव नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान बुधवार को दावा किया कि वह जब तक हैं, तब तक आरक्षण में किसी भी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है।

चिराग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एससी-एसटी आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद के फैसले का मैं और मेरी पार्टी अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पक्ष में नैतिक रूप से समर्थन व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा, समाज के शोषितों और वंचितों के हक की आवाज बनना हमारा कर्तव्य है।

लोजपा के संस्थापक और अपने पिता रामविलास पासवान को याद करते हुए चिराग ने कहा कि वह भी सड़क से लेकर सदन तक सदैव अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की राजग सरकार भी शोषितों और वंचितों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

हरियाणा की चुनावी चिट्ठी

प्रत्याशियों के चयन में जुटी पार्टियां...JJP को AAP से गठबंधन की उम्मीद

एजेंसी | चंडीगढ़

विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद से हरियाणा में सियासत गरमाई हुई है। ऐसे में राज्य के दो मुख्य दलों भाजपा और कांग्रेस ने प्रत्याशियों पर मंथन शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, राज्य में ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि एक एक कर अपने पांच विधायकों के इस्तीफ के कारण राजनीतिक संकट की शिकार जननायक जनता पार्टी अब आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना तलाश रही है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस नजर कई ओलंपिक खिलाड़ियों पर भी टिकी हुई है और वे इनको विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाना चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दुष्यंत चौटाला चाहते हैं कि आम आदमी पार्टी अगर कांग्रेस से अलग हो जाए तो जजपा गठबंधन कर लेगी लेकिन अगर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक-दूसरे का समर्थन करते रहे तो जजपा का उनसे गठबंधन नहीं होगा। ज्ञात रहे कि आम आदमी पार्टी राज्य में अपने बूते पर चुनाव लड़ने की पहले ही घोषणा कर चुकी है। दुष्यंत चौटाला का कहना है कि अभी गठबंधन को लेकर किसी दल से बातचीत नहीं हुई है। जजपा का आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन हो, इसके लिए पहले आप को ही पहल करनी होगी।

भाजपा प्रत्याशियों के नामों पर मंथन

भारतीय जनता पार्टी अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करने की तैयारी में जुट गई है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि इसी सप्ताह पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची जारी हो सकती है। इसके लिए मंथन का दौर जारी है। भाजपा ने टिकटों पर विचार करने के लिए सर्वे भी कराए हैं। इनमें आम कार्यकर्ताओं से भी राय ली गई है कि आखिर किन विधायकों के कामकाज से वे संतुष्ट हैं। भाजपा ने हाल ही सभी जिला कार्यालयों में जिला और राज्य स्तर के नेताओं से वोटिंग कराई थी। इसमें सभी से विधानसभा उम्मीदवार के लिए तीन योग्य उम्मीदवारों के नाम मांगे गए थे। माना जा रहा है कि हर सीट पर इन तीन नामों से ही किसी को मौका मिल सकता है।

कांग्रेस ने लिए दावेदारों के इंटरव्यू

दूसरी ओर कांग्रेस भी प्रत्याशियों के नामों पर मंत्रणा में जुटी है। सूत्रों के अनुसार पार्टी को राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों के लिए 2500 आवेदन मिले हैं और इन लोगों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि अब तक 1000 लोगों से ही साक्षात्कार हो पाया है। इसलिए अब इस प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है।

दलों की ओलंपिक खिलाड़ियों पर नजर

पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान महिला पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल में 100 ग्राम वजन बढ़ने के आधार पर प्रतियोगिता से बाहर किए जाने के बाद उनको कई नेताओं ने राज्यसभा में भेजने की मांग की थी। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र हुड्डा ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि यदि उनकी पार्टी के पास बहुमत होता तो वे विनेश को राज्यसभा में भेज देते। सूत्रों के अनुसार अगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की नजर ओलंपियन बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और पहलवान साक्षी मलिक पर टिकी हुई है। खुद सांसद दीपेंद्र हुड्डा लंबे समय से इन खिलाड़ियों के संपर्क में बताए जाते हैं। बजरंग पूनिया झज्जर से ताल्लुक रखते हैं और विनेश फोगाट बाढड़ा इलाके की रहने वाली हैं। हालांकि, अभी तक दोनों खिलाड़ियों ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वहीं, पिछले चुनाव में भाजपा के टिकट पर तीन ओलंपियन खिलाड़ियों ने किस्मत आजमाई थी। वे एक बार फिर से टिकट के लिए दावा ठोक रहे हैं।

योगेश्वर दत्त को मिल सकता है BJP का टिकट

ओलंपियन योगेशवर दत्त 2019 में बरोदा से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। बरोदा उपचुनाव में भी उन्होंने भाजपा से अपनी किस्मत आजमाई थी, लेकिन दोनों बार हार का सामना करना पड़ा। इसी प्रकार ओलंपियन खिलाड़ी बबीता फोगाट ने चरखी दादरी से भाजपा के टिकट पर विधानसभा 2019 का चुनाव लड़ा था, लेकिन निर्दलीय प्रत्याशी सोमबीर सांगवान ने उनको हरा दिया था। हॉकी के पूर्व कप्तान संदीप सिंह भाजपा के टिकट पर पिहोवा से विधायक चुने गए और मनोहर लाल सरकार में मंत्री भी बने। ये तीनों ही खिलाड़ी फिर से अपने-अपने हलकों में सक्रिय हैं और टिकट के लिए मजबूती से दावा ठोक रहे हैं।

जरूरी खबर

पेटीएम का टिकट कारोबार अब होगा जोमेटो का

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली दिग्गज कंपनी जोमैटो ने बुधवार को कहा कि वह फिनटेक फर्म पेटीएम के मूवी और इवेंट टिकटिंग कारोबार को 244.2 मिलियन डॉलर या 2048 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करने वाली है। टिकट कारोबार में फिल्मों के अलावा खेल आयोजनों और संगीत समारोहों के टिकट भी शामिल हैं। इस डील की जानकारी पेटीएम ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) ने भी दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस कारोबार की जोमैटो को बिक्री होने के बावजूद अगले 12 महीनों में टिकट पेटीएम के ऐप पर ही बुक किए जा सकेंगे। इस डील के बाद जोमैटो के कारोबार का दायरा बढ़ जाएगा। बता दें कि अभी तक जोमैटो खानपान के उत्पादों की आपूर्ति से जुड़ा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मुहैया कराती है।

केंद्र सरकार ने शरद पवार को दी जेड प्लस सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार को सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा कवर की उच्चतम श्रेणी जेड प्लस की सुरक्षा प्रदान की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से पवार की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा है। इस कार्य के लिए 55 सशस्त्र सीआरपीएफ कर्मियों की एक टीम को नियुक्त किया गया है। केंद्रीय एजेंसियों की तरफ से खतरे के आकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा कवर देने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें सीआरपीएफ वीआईपी सुरक्षा विंग की तरफ से सुरक्षा के लिए जेड प्लस कवर दिया है।

अब निकाह का पंजीकरण, काजी नहीं सरकार करेगी

गुवाहाटी। असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने अहम फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक ट्वीट में कहा, असम कैबिनेट ने मुस्लिम विवाह पंजीकरण विधेयक 2024 को मंजूरी दे दी है। कहा, अब मुस्लिम विवाह का पंजीकरण काजी द्वारा नहीं बल्कि सरकार द्वारा किया जाएगा। इस कानून का मकसद राज्य में बाल विवाह को समाप्त करना है। सरमा ने कहा कि असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935 को निरस्त कर दिया जाएगा और इसकी जगह मुस्लिम विवाह और तलाक विधेयक-2024 लागू किया जाएगा।

वारसा में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ पीएम मोदी

वारसा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन की यात्रा पर पोलैंड के वारसा पहुंचे। जहां उनका पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। बाद में पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की।

मलेशिया के PM ने राहुल गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इब्राहिम तीन दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा है। कांग्रेस ने इस मुलाकात की तस्वीरें जारी की हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। दोनों नेताओं ने मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक की थी। इब्राहिम ने गांधी परिवार को पारिवारिक मित्र बताया। राहुल गांधी के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए, इब्राहिम ने कहा, यह एक अच्छी मुलाकात थी। वे पारिवारिक मित्र हैं। मैंने उनसे कहा कि हमें सभी पक्षों से बातचीत करने की जरूरत है क्योंकि भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार है।

पीएम मोदी विदेश यात्रा के पहले चरण में पहुंचे पोलैंड

भारत-पोलैंड के रिश्ते और मजबूत होंगे, मोदी कल ट्रेन से जाएंगे यूक्रेन

एजेंसी | वारसा/ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पोलैंड के वारसॉ पहुंच चुके हैं। पोलैंड में पीएम मोदी के आगमन को लेकर भारतीय प्रवासियों में खासा उत्साह है। जिस होटल में वे ठहरे हैं, वहां भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बच्चों से हाथ भी मिलाया। मोदी के स्वागत में डांडिया की प्रस्तुति भी दी गई। यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। पोलैंड पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।

उन्होंने कहा, पौलैंड पहुंच गया हूं। यहां विभिन्न कार्यक्रमों का इंतजार कर रहा हूं। इस यात्रा से

भारत-पोलौंड की मित्रता को गति मिलेगी, जिससे लोगों को लाभ होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। ज्ञात रहे कि पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है।

पोलैंड-यूक्रेन से संपर्क बढ़ने की उम्मीद

दिन में रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी आपसी प्रतिबद्धता दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा कि वे पोलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक मित्र और साझेदार के रूप में भारत द्वारा यूक्रेन में शांति और स्थिरता की बहाली की उम्मीद की जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उनकी वारस और कीव की यात्रा दोनों देशों के साथ व्यापक संपर्कों को बढ़ाने का काम करेगी। रूस की यात्रा के लगभग छह सप्ताह बाद पीएम मोदी यूक्रेन दौरे पर जा रहे हैं।

जाएंगे यूक्रेन, देंगे शांति का संदेश

पीएम मोदी अपनी यात्रा के दौरान यूक्रेन भी जाएंगे। पीएम मोदी पहले पोलैंड की यात्रा करेंगे। इसके बाद 23 अगस्त को पीएम मोदी युद्ध में झुलस रहे यूक्रेन का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक ट्रेन से यात्रा करेंगे, जिसमें करीब 10 घंटे लगेंगे। वापसी की यात्रा भी लगभग इतनी ही अवधि की होगी। उनकी कीव यात्रा मॉस्को की उनकी हाई-प्रोफाइल यात्रा के कुछ सप्ताह बाद हो रही है, जिसकी अमेरिका और उसके कुछ पश्चिमी सहयोगियों ने आलोचना की थी।

बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला

नाबालिग का बार-बार पीछा करना व प्यार का इजहार यौन उत्पीड़न

एजेंसी | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अगर कोई लड़का अपने प्यार का इजहार करने के लिए किसी नाबालिग लड़की का लगातार पीछा करता है तो यह यौन उत्पीड़न के समान माना जाएगा। हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि पीड़िता लगातार आरोपी से इनकार कर रही थी, लेकिन आरोपी प्रेम संबंध रखना चाहता था। कोर्ट ने अपीलकर्ता पर पीछा करने और पॉक्सो के तहत यौन उत्पीड़न का दोष बरकरार रखा है। जस्टिस गोविंद सनप ने 4 फरवरी 2021 को अमरावती के एक कोर्ट के फैसले बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता ने इस बात के सबूत दिए हैं कि उसकी आरोपी में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उसने कई बार आरोपी को समझाया भी, लेकिन आरोपी नहीं माना। 19 अगस्त 2017 को जब पीड़िता ने आरोपी को थप्पड़ मारा और अपनी मां को

पूरी बात बताई। इसके बाद परिजनों ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। हाल ही सुनाए गए एक फैसले में न्यायाधीश ने कहा है कि पीड़िता का सबूत यह साबित करने के लिए काफी है कि आरोपी बातचीत के इरादे से उसका लगातार पीछा कर रहा था। जबकि, वह साफ संकेत दे चुकी थी कि उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, पीड़िता का सबूत आगे भी यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि आरोपी उसका यौन शोषण कर रहा था। 4 फरवरी 2021 को अमरावती की निचली अदालत ने आरोपी को नाबालिग का पीछा करने और पॉक्सो एक्ट को दोषी पाया।

कोलकाता: डॉक्टर से रेप व हत्या का मामला: तीन अधिकारी निलंबित

CISF ने संभाली अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था

एजेंसी | कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के रेप व मर्डर केस में पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को 2 असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर समेत 3 अधिकारियों को निलंबित कर दिया। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अस्पताल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सुरक्षा अपने हाथ में ले ली है। लगभग 150 जवानों को वहां तैनात किया गया है। सीआईएसएफ के अधिकारी बुधवार को अस्पताल पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

डीआइजी रैंक के एक अधिकारी के नेतृत्व में सीआईएसएफ की एक टीम ने अस्पताल परिसर का सर्वेक्षण किया। उधर, अस्पताल के पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली ने कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ याचिका दायर की है। अली ने घोष पर कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है और ईडी से जांच कराने की मांग की है। इस मामले में राज्य सरकार गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देगी।

सौरव गांगुली विरोध प्रदर्शन में शामिल

दूसरी ओर कॉलेज के डॉक्टर्स और छात्रों ने बुधवार को विरोध मार्च निकाला। हालांकि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर्स से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली अपनी बेटी सना गांगुली के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। सौरव गांगुली की पत्नी डोना गांगुली ने अपनी नृत्य अकादमी के सदस्यों के साथ मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

सोशल मीडिया से पीड़िता का नाम हटाएं

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी की पीड़िता के नाम के सभी संदर्भों को हटाने का निर्देश दिया है। बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को पीड़िता की पहचान से जुड़ी सभी तस्वीरें और वीडियो क्लिप हटानी होंगी।

ड्रेगन ने बंकर व भूमिगत स्टोरेज भी किए तैयार

चीन ने LAC पर बनाए 500 गांव

एजेंसी | नई दिल्ली

चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट बने चीन के मॉडल गांवों में अब लोगों का आना शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक कई गांवों में अब लोग रहने लगे हैं। चीन ने एलएसी के पास इस तरह के मॉडल गांव बनाने का काम करीब छह साल पहले शुरू किया था और ये काफी वक्त तक खाली थे। भारत की तरफ से लगातार इसकी आशंका जताई जाती रही है कि चीन इन गांवों का दोहरा इस्तेमाल कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक चीन का एक मकसद तिब्बतियों पर नजर रखने का भी

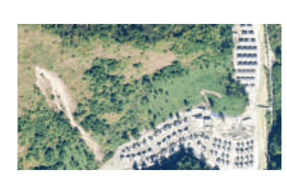

है। साथ ही जरूरत पड़ने पर वह इनका सैन्य उपयोग भी कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक पिछले कुछ सालों में चीन ने एलएसी के दूसरी तरफ कई भूमिगत स्टोरेज बना लिए हैं। यहां चीन के बंकर भी हैं, लेकिन ज्यादातर भूमिगत स्टोरेज बनाने का काम हुआ है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक ईस्टर्न सेक्टर में ही चीन ने एलएसी के दूसरी तरफ करीब 630 मॉडल गांव बनाने हैं जिसमें से करीब 500 गांवों पर काम पूरा हो गया है। चीन इसे जियाकॉन्ग गांव कहता है। जिसका मतलब है संपन्न गांव। पूर्वी अरुणाचल में ही एलएसी के दूसरी तरफ चीन के करीब 145 मॉडल गांव हैं। अब चीन एलएसी के दूसरी तरफ स्टोरेज सुविधा जैसे बुनियादी ढांचे पर फोकस कर रहा है। अक्टूबर 2021 में चीन ने नया भूमि सीमा कानून पास किया था जिसे 1 जनवरी 2022 से लागू किया गया। इस भूमि सीमा कानून के तहत चीन बॉर्डर वाले इलाकों में अपने आम नागरिकों को बसा रहा है।

केंद्र सरकार जुटी तैयारी में

अगले माह शुरू हो सकती है जनगणना, 18 माह लगेंगे

■ मार्च 2026 तक नतीजे जारी होने की उम्मीद

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में लंबे समय से लंबित जनगणना सितंबर में शुरू होने की संभावना है। देश में हर दस साल में जनगणना होती है। आखिरी बार 2011 में जनगणना हुई थी। इस लिहाज से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया। अब अगर ऐसा होता है, तो इससे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सरकार को कई अहम डेटा मिलेंगे। इस डेटा की मदद से सरकार को विभिन्न नीतियों और योजनाओं के निर्माण में सहायता मिलेगी। दो सरकारी अधिकारियों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जनगणना के इस सर्वे को पूरा होने में लगभग 18 महीने लगेंगे, जिसके नतीजे मार्च 2026 तक जारी होने की उम्मीद है। जनगणना में लगातार हो रही देरी की सरकार के भीतर और बाहर अर्थशास्त्रियों और नीति निर्माताओं ने कड़ी आलोचना की है। उनका तर्क है कि इस देरी के कारण विभिन्न सांख्यिकीय सर्वेक्षणों की सटीकता और प्रासंगिकता से समझौता हुआ है, जिनमें आर्थिक आंकड़े, महंगाई और रोजगार

अनुमान से संबंधित सर्वेक्षण भी शामिल हैं। जनगणना में इस देरी के कारण सरकार के पास विभिन्न क्षेत्रों में डेटा की कमी हो गई है, जिससे नीति निर्माण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

अधिकांश डेटा 2011 की जनगणना पर निर्भर

वर्तमान में, इनमें से अधिकांश डेटा सेट पुरानी 2011 की जनगणना पर निर्भर हैं, जिससे कई सरकारी योजनाएं और नीतियों पर असर पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, गृह मंत्रालय और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय जनगणना के लिए विस्तृत समय-सीमा पर काम कर रहे हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय से अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

जनगणना के बजट में कटौती

इस कवायद की जरूरत के बावजूद, केंद्र सरकार ने 2021 की जनगणना के लिए इस साल के बजट में कटौती की है। मूल रूप से, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना के लिए ₹8,754.23 करोड़ रुपए और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अपडेट करने के लिए अतिरिक्त ₹3,941.35 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी थी। हालांकि, केंद्रीय बजट 2024-25 में, आवंटन को घटाकर ₹1,309 करोड़ रुपए कर दिया गया, जो 2021-22 में निर्धारित ₹3,768 करोड़ रुपए से काफी कम है।

कांग्रेस ने जताई थी निराशा

इस बजट कटौती ने इस साल भी जनगणना पर संदेह पैदा कर दिया है। पिछले महीने कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस बात पर निराशा जताई थी कि वित्त मंत्री की बजट घोषणाओं में जनगणना के लिए पर्याप्त धन मुहैया कराने का कोई जिक्र नहीं किया गया। उन्होंने कहा,आजादी के बाद यह पहली बार है कि सरकार समय पर जनगणना कराने में विफल रही है।

इसरो व नासा का संयुक्त मिशन

शुभांशु व प्रशांत अगले अप्रैल में जाएंगे अंतरिक्ष स्टेशन पर

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) व अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच आपसी सहयोग के तहत अगले साल अप्रैल तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरने की उम्मीद है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी है। पिछले साल चंद्रमा पर विक्रम लैंडर की लैंडिंग को चिह्नित करने के भारत 23 अगस्त को अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भारत मंडपम में आयोजित समारोह में भाग लेंगी और भारतीय अंतरिक्ष हैकथान और इसरो रोबोटिक्स चैलेंज के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। आगामी अंतरिक्ष अभियानों के बारे में जानकारी देते हुए इसरो के विज्ञानी सचिव शांतनु भाटवडेकर ने कहा कि इसरो-नासा संयुक्त मिशन निसार अगले साल फरवरी के बाद लॉन्च होने की उम्मीद है। दो भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और प्रशांत बालाकृष्णन नायर एक्सिओम स्पेस एक्स-4 मिशन के लिए अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसरो ने शुक्ला को एक्स-4 मिशन के लिए नियुक्त किया है, जबकि नायर बैकअप में रहेंगे। पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के 12-मीटर रिफ्लेक्टर में एक विसंगति आने पर इसे अमेरिका भेजा गया था।

जयपुर में पहली बार हो रही पार्श्वनाथ कथा, मुनि प्रणम्य सागर कर रहे हैं वाचन

पुण्य ऐसे आगे चलता है जैसे चक्रवर्ती राजा का चक्र

■ कथा में उमड़े श्रद्धालु, आज सुबह होगी धर्म सभा

बेधड़क | जयपुर

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर ने मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन करते हुए कहा कि आनंद कुमार महामंडलीक राजा बना। मुनि ने राजा, अधिराजा, महाराजा, अर्द्ध मण्डलीक राजा, मंडलीक राजा, अर्द्ध चक्रवर्ती राजा व चक्रवर्ती राजा में अंतर बताते हुए कहा कि 800 राजा जिसे नमन करे वह महामंडलीक राजा होता है। मुनि श्री ने कहा कि उपभोग करने की इच्छा सबकी होती है पर उपयोग करने की इच्छा संस्कारों से प्राप्त होती है। पुण्यवान का पुण्य ऐसे आगे चलता है, जैसे चक्रवर्ती राजा का चक्र चलता है। पुण्यवान पुण्य कर्म के उदय से सब कुछ प्राप्त कर सकता है। मुनि श्री ने आगे कहा कि जिनेन्द्र देव की पूजा से सब दुख: हर जाते हैं। पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मुनि श्री ने विनती शब्द को परिभाषित करते हुए बताया कि विशेष रूप से नमन करने को विनती कहते हैं।

विद्यासागर की संगीतमय पूजा

इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात व्रतधारी डी सी जैन, प्रकाश जैन एवं अन्य व्रतियों द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जस्टिस एन के जैन, प्रमोद पहाड़िया, प्रदीप चूडीवाल, दर्शन बाकलीवाल, कैलाश छाबड़ा, दिलीप कासलीवाल भी मौजूद रहे।

मुनि को श्रीफल भेंट कर लिया आशीर्वाद

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर ससंघ के सानिध्य में गुरुवार, 22 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

अंकित ने वियतनाम में किया अपने देश का प्रतिनिधित्व

बेधड़क. जयपुर। कृषि विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान निभाने के लिए जयपुर निवासी अंकित जैन को वियतनाम में अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। वियतनाम के कैंथो शहर में आयोजित ग्लोबल यूथ समिट 2024 में अंकित ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। स्टार्टअप ईएफ पॉलीमर के को फाउंडर अंकित जैन अपने विशिष्ट उत्पाद फसल अमृत के लिए जाने जाते हैं। यह फसल उत्पादन बढ़ाने और जल उपभोग को कम करने में किसानों के लिए बेहद मददगार साबित हुआ है। इसके उपयोग के लिए 5 देशों के साथ एमओयू भी साइन किया गया हैं। अंकित जैन ने बताया कि फसल अमृत के जरिए राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। एमओयू से भविष्य में इन देशों में खेती की स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील, रक्षा का संकल्प

जयपुर। शासन सचिव, सहकारिता शुचि त्यागी ने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत टोंक रोड स्थित राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि पृथ्वी मां को सुरक्षित रखने के लिए सभी एक पौधा अपनी मां के नाम से अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि यह हमारा दायित्व है कि हम जो भी पौधा लगाएं उसकी कम से कम एक वर्ष तक सुरक्षा करें, ताकि पौधा स्वयं पोषित होकर प्रकृति में स्वच्छ वायु का संचार कर सके। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी की ओर से आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित और संरक्षित पर्यावरण सबसे अच्छी सौगात होगी। इस मौके पर संजय पाठक, प्रबंध निदेशक अपेक्स बैंक सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

City इवेंट्स

1300 महिलाएं निकालेंगी कलश यात्रा, पोस्टर का विमोचन

बेधड़क. जयपुर। नारायणी दादी सेवा संघ का वार्षिकोत्सव 27 अगस्त को मनाया जाएगा। इसके पोस्टर का विमोचन बुधवार को जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने किया। संघ की संस्थापिका अरुणा दीदी ने बताया कि नारायणी दादी सेवा संघ का वार्षिकोत्सव सीकर रोड स्थित रामेश्वरम गार्डन में मनाया जाएगा। इस अवसर पर 1300 महिलाएं कलश यात्रा भी निकालेंगी। बुधवार को जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने पोस्टर विमोचन किया। इस अवसर पर परिवार की सदस्य मीनाक्षी , सुनील अग्रवाल, प्रशांत अग्रवाल, राजेंद्र माहेश्वरी, रमेश कूलवाल और श्रद्धा अग्रवाल मौजूद रही।

सवाई मान सिंह (द्वि.) की जयंती पर दी पुष्पांजिल

बेधड़क. जयपुर। महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय की 113वीं जयंती पर राम निवास बाग में सुबह उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी, रमा दत्त और संग्रहालय के निदेशक वैभव चौहान उपस्थित थे। सिटी पैलेस और एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय के अधिकारियों और स्टाफ ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रमा दत्त ने कहा कि मान सिंह मॉर्डन जयपुर के निर्माता थे। जयपुर में बड़ी संख्या में कॉलेज, अस्पताल, स्कूल, चौड़ी सड़कें, सिटी स्टेडियम आदि सभी उनके समय में और उनकी पहल पर बनाए गए थे। वे राजस्थान के पहले राजप्रमुख भी थे। शाम को अशोक क्लब में बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों ने सवाई मान सिंह द्वितीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महाराज नरेंद्र सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल के. के. सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान 10 जैक राइफल्स के आर्मी बैंड ने भी प्रस्तुति दी। बैंड का संचालन, नायब सूबेदार तलविंदर सिंह ने किया। वहीं, इससे पहले दिन में, सिटी पैलेस और संग्रहालय में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भी सर्वतोभद्र चौक पर महाराजा की तस्वीर के सामने पुष्पांजलि अर्पित की।

जैन मंदिरों में ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया

भगवान वासूपूज्य का अभिषेक खुशहाली के लिए शांतिधारा

बेधड़क | जयपुर

दिगंबर जैन समाज के लोगों ने जैन धर्म के 12 वें तीर्थंकर भगवान वासूपूज्य का ज्ञान कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया। इस मौके पर दिगंबर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए।

इसी के साथ जैन धर्मावलंबियों के षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत प्रारंभ होने से दिगम्बर जैन मंदिरों में रौनक बढ गई है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार सुबह दिगंबर जैन मंदिरों में भगवान वासूपूज्य के मंत्रोच्चार से अभिषेक करने के बाद विश्व में सुख, शांति समृद्धि और खुशहाली के लिए शांतिधारा की गई। उसके बाद अष्ट द्रव्य से पूजा की गई। पूजा के दौरान भगवान वासूपूज्य का ज्ञान कल्याणक श्लोक पढ़े गए।

जयकारों के साथ अर्घ्य चढाया। महाआरती के बाद पूजा का समापन हुआ। 24 अगस्त को चन्दन षष्ठी पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर जैन धर्म के 8 वें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू की पूजा अर्चना करते हुए महिलाओं द्वारा उपवास किया जाएगा। महिलाएं चन्दन षष्ठी की व्रत कथा सुनेंगी। रविवार, 25 अगस्त को जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। षोडशकारण व्रत एवं मेघमाला व्रत बुधवार 18 सितम्बर तक चलेगे। जैन धर्मावलंबी एक माह तक षोडशकारण पर्व मनाएंगे।

राजस्थानी फिल्म के कलाकार निकालेंगे पैदल मार्च

चौराहे पर पब्लिक के बीच किया जाएगा 'बरखमा' का ट्रेलर लॉन्च

बेधड़क | जयपुर

राजस्थानी फिल्म मेकर भी अब अपनी मूवीज के प्रमोशन को लेकर सजग होने लगे हैं। बॉलीवुड की तर्ज पर अब वे भी नए-नए तरीके अपना रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को 'बरखमा' के मेकर्स अनूठे तरीके से मूवी का ट्रेलर लॉन्च करने जा रहे हैं। इसमें त्रिवेणी चौराहे पर पब्लिक के बीच मूवी का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। इसके बाद टीम रिद्धी सिद्धी चौराहे तक पैदल मार्च निकालेगी। बता दें कि यह मूवी 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म के हीरो श्रवण सागर कल्याण ने बताया कि 22 अगस्त को दोपहर दो बजे फिल्म की पूरी टीम त्रवेणी नगर चौराहे पर जुटेगी। ट्रेलर लॉन्च के इस इवेंट में राजस्थानी सिनेमा से जुड़े लोग भी मौजूद रहेंगे।

यहां पर पब्लिक के बीच एलईडी वैन पर फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया जाएगा। यहां से पूरी टीम राजस्थानी भाषा और सिनेमा से जुड़े लोगों के साथ ढोल नगाड़ों के साथ रिद्धि सिद्धि चौराहे तक पैदल मार्च निकालेंगे। पैदल मार्च में हरियाणा की स्टार अंजलि राघव, गरिमा कपूर, एक्टर राजवीर गुर्जर बस्सी, निक्स बोहरा सहित राजस्थान के कई बड़े इंफ्लुएंसर्स शामिल होंगे। फिल्म वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के इसी नाम के उपन्यास पर बनी है, जिसे दो साल पहले साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। फिल्म को पीके सोनी एवं सोनी सांवता एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है।

चिल्ड्रन फिल्म फेस्टिवल 28 से होगी शुरुआत, 21 देशों की 55 फिल्में दिखाई जाएंगी

सिनेमा के जरिए बच्चों को किया जाएगा जागरूक

बेधड़क | जयपुर

सातवां आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ जयपुर और सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स 28 अगस्त से शुरू होगा। 30 अगस्त तक जयपुर के 8 स्कूल्स के ओडिटोरियम्स में स्कूल के बच्चों के लिए निशुल्क फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। फेस्टिवल के फाउंडर डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि इन फेस्टिवल्स में 50 देशों की 600 फिल्मों में से इन्टरनेशनल जूरी की ओर से चयनित 21 देशों की 55 फिल्में बच्चे देखेंगे। इसका उद्देश्य फिल्मों से बाल मन के बहुआयामी व्यक्तितत्व को निखारना है।

हनु रोज बताते हैं कि फिल्मों के चयन के दौरान विशेष रूप से उन मनोवैज्ञानिक तथ्यों का भी ध्यान रखा गया है, जिनकी हम अक्सर अनदेखी करते हैं। चयन में उन शोधों को भी महत्व दिया गया है जिनके तहत विभिन्न दृष्टिकोणों को समझा गया है।

कॉम्पटिशन का हिस्सा होंगी मूवीज

दिखाई जाने वाली सभी फिल्में फेस्टिवल में कॉम्पटिशन का हिस्सा हैं। फेस्टिवल के पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी के दौरान विजेता फिल्मों और फिल्मकारों को पुरस्कार दिए जाएंगे। इस बार फेस्ट के 8 स्कूल्स वेन्यू पार्टनर हैं, जिनमें इस बार सिनेमा ऑन व्हील्स पर ट्रैवलिंग सिनेमा से स्कूल्स के बच्चे विश्व सिनेमा देखेंगे। फेस्टिवल्स में विभिन्न विषयों पर आधारित देश विदेश के ख्यातनाम फिल्मकारों से लेकर डेब्यू डायरेक्टर्स की रिलीज्ड फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ वर्ल्ड प्रीमियर भी होगा।

भाग लेंगे देश विदेश के फिल्मकार

ऑस्कर विजेता फिल्मकारों की तरफ से डाक्यूमेंट्री पिंक बेल्ट तो वहीं, सलीम अख्तर की फिल्म दाल रोटी का पहला शो होगा। फेस्टिवल में शार्ट और लॉन्ग फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। फेस्टिवल की ओपनिंग 28 अगस्त की सुबह 11 बजे निर्मला ऑडिटोरियम में होगी। इसमें वियतनाम, इंडोनेशिया, अमेरिका जैसे कई देशों के फिल्मकार भाग लेंगे।

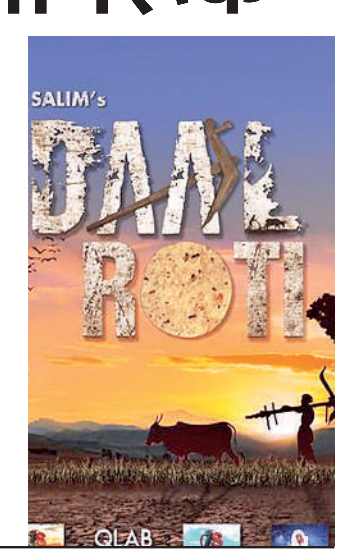

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, गुरुवार, 22 अगस्त, 2024

अगर शांति की इच्छा रखते हो तो पहले इच्छा को शांत करो।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

फैसला: अब इजराइल के साथ जंग नहीं लड़ेगा ईरान

'तीन चुनौतियों' ने बांधे सुप्रीम लीडर खामेनेई के हाथ

एजेंसी | तेहरान

ईरान और इजराइल की शत्रुता का इतिहास कई दशक पुराना है। फिर भी, पिछले कुछ महीनों में तब से दोनों मुल्कों की दुश्मनी चरम पर आ पहुंची है, जब से इजराइल ने तेहरान में घुसकर हमास चीफ इस्माइल हानियेह की हत्या की है, तब से ही दोनों मुल्क एक-दूसरे के खून के प्यास हो उठे हैं। हालांकि, इजराइल ने आधिकारिक तौर पर हानिया की मौत की जिम्मेदारी नहीं ली है, मगर सब मान रहे हैं कि इस हत्या को अंजाम सिर्फ इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ही दे सकती है। हालांकि, भले ही ईरान इजराइल से बदला लेने के लिए बेकरार नजर आ रहा है, लेकिन सच्चाई बिल्कुल इसके उलट है। यरुशलम पोस्ट को दिए एक इंटरव्यू में ईरान के 'इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (IRGC) के संस्थापक मोहसिन साजेगारा ने कहा है कि उनका देश इजराइल के साथ लंबे समय तक युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं है। यहां तक कि ईरान ने अपने ऊपर बड़े पैमाने पर इजराइल के हमले को रोकने के लिए कट्टर दुश्मन अमेरिका से हस्तक्षेप भी करने को कहा है।

अमेरिका ने IRGC को घोषित किया है आतंकी संगठन

IRGC की स्थापना ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के तुरंत बाद हुई, ताकि देश पर कंट्रोल रखा जा सके. IRGC का काम ईरान की सेना के साथ बैलेंस बनाना भी था, क्योंकि सेना में शामिल कई अधिकारी ईरान के शाह के समर्थक थे। ऐसे में इस्लामिक शासन किसी भी सूरत में सेना पर यकीन नहीं करना चाहता था। IRGC को अमेरिका ने आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है. मोहसिन IRGC के संस्थापकों में से एक हैं। वह 20 साल पहले ही ईरान छोड़कर अमेरिका चले गए और वहीं जाकर बस गए।

ईरान के सुप्रीम लीडर के समक्ष क्या चुनौतियां हैं?

सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के आगे तीन प्रमुख चुनौतियां हैं। इसमें सबसे पहली चुनौती ये है कि अगर ईरान इजराइल पर हमला करता है और जवाब में उसके ऊपर बड़ा हमला हो जाता है, तो ईरानी सेना को हार का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह से खामेनेई की सत्ता जा सकती है। दूसरी चुनौती ईरान की अर्थव्यवस्था है, जो अभी नाजुक स्थिति में है। देश में ऊर्जा उत्पादन, महंगाई, बेरोजगारी और रोजाना हड़ताल जैसी समस्याएं हैं। आर्थिक हालातों को ध्यान में रखते हुए खामेनेई चाहकर भी ईरान को युद्ध की आग में नहीं झोंक सकते हैं। तीसरी चुनौती ये है कि खामेनेई को युद्ध के लिए लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। खुफिया जानकारियां बता रही हैं कि आम जनता किसी भी सूरत में इजरायल के साथ जंग को तैयार नहीं है। अगर वह युद्ध में जाते हैं तो जनता उनके खिलाफ बगावत कर सकती है, जो बड़ी परेशानी साबित हो जाएगी।

हमला करना चाहते थे सुप्रीम लीडर, बदला प्लान

मोहसिन साजेगारा ने ईरान में चल रहे आंतरिक संघर्षों और सुप्रीम लीडर आयातुल्ला अली खामेनेई की चुनौतियों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों इजराइल पर हमले का प्लान टाला गया. उन्होंने कहा, "इजराइल ने जो किया, तेहरान के केंद्र में जाकर इस्माइल हानियेह की हत्या की। वो भी तेहरान की सबसे सुरक्षित इमारत में। ये हत्या ईरान के खुफिया संगठनों का अपमान था। इसने खामेनेई के लिए उनके मुख्य पावरबेस यानी खुफिया सेवाओं के लिए एक समस्या पैदा कर दी है।" साजेगारा बताते हैं, "खामेनेई का पहला रिएक्शन हमला करना और इसे जारी रखना था। मगर जब उन्होंने अपने सैन्य कमांडरों और आईआरजीसी के एक्सपर्ट्स से राय ली और उनसे पूछा कि क्या करना चाहिए तो उन्हें बताया गया कि ईरान इजराइल से लड़ने के हालात में नहीं है। उनके पास कोई रणनीतिक संतुलन नहीं है। वे इजराइल पर हाइपरसोनिक मिसाइस से हमला कर सकते हैं, जो छह से आठ मिनट में वहां पहुंच जाएंगी। मगर जब इजरायल हमला करेगा तो ईरान बच नहीं पाएगा।"

यह दी गई खामेनेई को सलाह

IRGC संस्थापक ने बताया कि खामेनेई से कहा गया कि ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम मजबूत नहीं है। ईरान इजराइल से लड़ने की स्थिति में नहीं है। सैन्य अधिकारियों ने खामेनेई से कहा कि अगर हम हमला भी करते हैं, तो हमें तुरंत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता करवाने वाले देशों के जरिए युद्धविराम पर विचार करना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि इसी वजह से खामेनेई ने इजराइल पर हमले का प्लान कैंसिल कर दिया।

अमेरिका से पर्दे के पीछे बात कर रहा ईरान

मोहसिन साजेगारा ने ईरान-इजराइल के बीच बढ़ रही टेंशन में अमेरिका की भूमिका को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, "जहां तक मुझे मालूम है तो ईरान ने पर्दे के पीछे अमेरिका और राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से बातचीत की है। ईरानी अधिकारियों ने अमेरिका से कहा कि वह इजराइल से बात करे और उसे बताए कि ईरान इजराइल में किसी जगह पर हमला तो करेगा, लेकिन वह वादा करता है कि इसमें किसी की जान नहीं जाएगी। बदले में इजराइल ईरान पर कार्रवाई भी नहीं करे।" साजेगारा ने कहा, "ईरान ने अमेरिका से कहा कि वह इजरायल पर दबाव डाले कि वह इतनी बड़ी जवाबी कार्रवाई न करे कि मामला आगे बढ़े, लेकिन इस बार अमेरिका नहीं माना और उनसे (ईरान) कहा कि हम इजराइल को नहीं रोक सकते।"

रूस की राजधानी मॉस्को पर यूक्रेन का बड़ा हमला...

10 ड्रोन से भीषण अटैक

एजेंसी | कीव/मॉस्को

रूस और यूक्रेन का युद्ध अपने चरम सीमा पर पहुंच चुका है. यूक्रेनी सेना रूस के कई इलाकों पर कब्जा भी कर चुकी है। अब खबर आई है कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। यूक्रेन की तरफ से बुधवार को मॉस्को पर कई ड्रोन दागे गए। हालांकि, रूस की सेना ने उन्हें मार गिराया।

रूसी सेना ने बताया कि यूक्रेन के 11 ड्रोन सेना ने मार गिराए। अधिकारियों ने कहा कि यह फरवरी 2022 में यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से राजधानी पर सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक था। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उसके सेंटर फोर्सेज ग्रुप की इकाइयों ने यूक्रेनी सैनिकों को नीयू-यॉर्क में हरा दिया था। इसे रूसी भाषा में नोवगोरोडस्कॉय के नाम से भी बुलाया जाता है। रूसी सैन्य ब्लॉगर्स ने नीयू-यॉर्क में एक स्कूल की छत पर रूसी झंडे के फुटेज को साझा किया, जिसमें जमीन पर यूक्रेनी ध्वज पड़ा हुआ था।

'अब तक का सबसे बड़ा हमला'

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि कुछ ड्रोन पोडोल्स्क शहर के ऊपर नष्ट कर दिए गए। मॉस्को क्षेत्र का यह शहर क्रेमलिन से लगभग 38 किलोमीटर दक्षिण में है। सोबयानिन ने बुधवार तड़के टेलीग्राम पर कहा कि यह ड्रोन का उपयोग करके मॉस्को पर हमला करने का अब तक का सबसे बड़ा प्रयास है। सोब्यानिन ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हमलों के बाद किसी के घायल होने या नुकसान की सूचना नहीं है। रूस के दक्षिण-पश्चिम में ब्रायंस्क पर हुए हमले के बाद भी किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं है।

रक्षा बलों ने मिसाइल को भी नष्ट किया

रूस की समाचार एजेंसी ने बताया कि तुला क्षेत्र में 2 ड्रोन नष्ट कर दिए गए, जो उत्तर में मॉस्को क्षेत्र की सीमा पर है। रूस के दक्षिण-पश्चिम में रोस्तोव क्षेत्र के गवर्नर वसीली गोलुबेव ने कहा कि वायु रक्षा बलों ने यूक्रेन की मिसाइल को भी नष्ट कर दिया, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यूक्रेन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसने रात में रोस्तोव क्षेत्र में एस-300 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम पर हमला किया।

WHO का दावा

मंकी पॉक्स में जरूरी नहीं लॉकडाउन

एजेंसी | न्यूयॉर्क

एमपॉक्स (मंकी पॉक्स) ने दुनियाभर को फिर से चिंता में डाल दिया है. यह कोरोना जैसा साबित होगा या नहीं इसको लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। इसी चिंता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है।

क्या यह कोरोना जितना घातक होगा, इसको लेकर WHO की ओर से एक खबर आई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि मंकी पॉक्स का प्रकोप कोविड-19 जैसा नहीं है, क्योंकि इसे नियंत्रित करने के तरीकों के बारे में पहले से ही सबको पता है। WHO के यूरोपीय निदेशक हंस क्लूज ने कहा क्लैड 1बी स्ट्रेन पर अधिक शोध की जरूरत है, इसलिए ही WHO को इमरजेंसी घोषित करने की जरूरत पड़ी, ताकि मंकी पॉक्स के प्रसार को रोका जा सके। मंकी पॉक्स से निपटा जा सकता है। यह नया कोविड नहीं है। बस यूरोपीय इलाकों में इसे फैलने से रोकने की जरूरत है। क्लूज ने कहा कि सामान्य आबादी के लिए जोखिम कम है। क्या यूरोप में लॉकडाउन लगेगा, इसे लेकर उन्होंने कहा-नहीं।

ये हैं मंकी पॉक्स के लक्षण

एमपॉक्स एक वायरल संक्रमण है, जो मवाद से भरे घावों और फ्लू जैसे लक्षणों का कारण बनता है। इस वायरस की चपेट में आने के बाद शुरुआती लक्षण बुखार है। इसके बाद सिरदर्द, सूजन, पीठ दर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। बुखार उतरने के बाद शरीर पर चकत्ते आ जाते हैं। इनमें अधिक खुजली या दर्द हो सकता है। संक्रमण आम तौर पर अपने आप ठीक हो जाता है और 14 से 21 दिनों के बीच रहता है। गंभीर मामलों में घाव पूरे शरीर हो जाते हैं, जो मुंह, आंखों और गुप्तांगों पर होते हैं। मंकी पॉक्स किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। इसमें यौन संबंध और संक्रमित शख्स से करीब से बात करना शामिल है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl